हरिभूमि
रायपुर भूमि

शर्तों के अधीन हुआ अनुबंध

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के साथ शर्तों के अधीन हुये अनुबंध में बूढ़ातालाब की देखभाल करने और जन सुविधाओं के संचालन, संधारण कराने हैंडओवर किया गया है। पर्यटन मंडल नगर निगम को सालाना 5 लाख रुपये अनुबंध की अवधि तक भुगतान करेगा।

- आशीष मिश्रा, जनरल मैनेजर कम्यूनिकेशन रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड

बूढ़ातालाब में 29 करोड़ डूबाकर स्मार्ट सिटी ने सौंपा पर्यटन मंडल को, पुरानी कंपनी लौटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के बूढ़ातालाब को संवारने का काम अब छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल करेगा। नगर निगम ने अब पर्यटन मंडल को अनुबंध की शर्तों के साथ बूढ़ातालाब को हैंडओवर कर दिया है। ऐसे में अब बूढ़ातालाब में पब्लिक सुविधाओं का संचालन, संधारण और मनोरंजन की सुविधा शर्त के आधार पर पर्यटन मंडल द्वारा अनुबंधित मुंबई की एजेंसी उपलब्ध करायेगी। ⏭शेष पेज 13 पर

रायपुर स्मार्ट सिटी ने दो फेज में कराया बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण

बूढ़ातालाब के सौंदर्यीकरण की योजना बनाकर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 2 फेज में 29 करोड़ खर्च कर तालाब का सौंदर्यीकरण कराया। इसमें बूढ़ातालाब की सफाई, परिक्रमा पथ में नई लाइटें, पाथवे निर्माण, बूढ़ापारा के दुर्गा मंदिर चौक से दानी स्कूल मार्ग होते हुए नेहरू नगर चौक तक बायपास सड़क निर्माण, तालाब के मध्य 5 करोड़ का म्यूजिकल फाउंटेन, नीलाभ गार्डन से दानी स्कूल वाले रास्ते तक व्यू डेक और बगीचा विकसित करने सहित अन्य कार्य शामिल है।

पर्यटन मंडल ने मुंबई की एमएमपी वाटर स्पोर्ट्स एंड प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया अनुबंध

रायपुर स्मार्ट सिटी ने 2 फेज में 29 करोड़ खर्च कर कराया है बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण

खबर संक्षेप

पानी भरने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। अभनपुर थाना में एक सब्जी बेचने वाले ने अपने पड़ोसी के खिलाफ पानी भरने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक बेलभांठा निवासी रिखीराम कोसले ने उत्तम धृतलहरे के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। रिखीराम ने पुलिस को बताया है कि बुधवार को उसकी पत्नी सार्वजनिक नल में पानी भरने गई थी। पानी भरने के विवाद पर उत्तम ने रिखीराम की पत्नी के साथ विवाद करते हुए मारपीट की।

छोड़ने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। उरला थाना में एक युवक ने चार लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक पेशे से मजदूर आकाश ने राहुल उसके भाई गोलू, अनूप तथा बिट्टू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। आकाश ने पुलिस को बताया है कि वह कंपनी में ड्यूटी करने जा रहा था, इसी दौरान राहुल ने उसे घर छोड़ने जाने के लिए कहा। ड्यूटी में देर होने की बात कहने पर राहुल ने अपने भाई तथा अन्य को बुलाकर मारपीट करने की।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ओडिशा के एक युवक के कब्जे से ढाई लाख रुपए से ज्यादा कीमत का साढ़े 16 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक रायगढ़ा निवासी बृंदाबन नूरानाका के कब्जे से गांजा जब्ती की गई है। युवक तस्करी कर ओडिशा से गांजा लाकर किसी को देने की फिराक में था, इसी दौरान पुलिस ने रेलवे स्टेशन के गेट नंबर सात के पास बृंदाबन को गांजा के साथ गिरफ्तार किया।

आपसी रंजिश पर मारपीट

रायपुर। आमानाका थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक कुकुरबेड़ा निवासी पेशे से सफाई कर्मी विशाल तांडी ने बिल्लू छुरा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। विशाल ने पुलिस को बताया है कि वह अपनी पत्नी के साथ ऑटो से लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में बिल्लू उसे मिला। आपसी रंजिश पर बिल्लू विशाल की पत्नी के साथ मारपीट करने लगा।

आपसी रंजिश पर लोहे के औजार से हमला

रायपुर। सरस्वती नगर थाना में एक युवक ने आपसी रंजिश पर एक अन्य युवक के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक कुकुरबेड़ा निवासी दीपक ने शंकर साहू के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दीपक ने पुलिस को बताया है कि वह मंगलवार रात कुकुरबेड़ा सामुदायिक भवन के पास अपने दोस्त के साथ बात करते खड़ा था।

सीआरपीएफ तथा राज्य पुलिस के डेढ़ सौ जवानों की तैनाती, तीन लेयर में सुरक्षा व्यवस्था

स्ट्रांग रूम में सिक्यूरिटी टाइट, 52 सीसीटीवी के साथ 150 जवानों का पहरा, कॉलेज सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण में जिन सात सीटों में मतदान हुआ है, उनमें रायपुर लोकसभा की सीट भी शामिल है। मंगलवार देर शाम से बुधवार को तड़के तक ईवीएम जमा होने का सिलसिला जारी रहा। ईवीएम जमा होने के बाद सेजबहार स्थित गवर्मेंट इंजीनियरिंग कालेज छावनी में तब्दील हो गया है। स्ट्रांग रूम की तीन लेयर में सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। दूसरे तथा तीसरे लेयर में सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा यहां 52 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

गवर्मेंट इंजीनियरिंग कालेज में ईवीएम जमा होने के बाद बुधवार को रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह स्ट्रांग रूम पहुंचे, वहां उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगी एजेंसी के अलावा संबंधित अफसरों के साथ बैठक की। बैठक में कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ स्ट्रांग रूम के आसपास के ⏭शेष पेज 13 पर

प्रत्याशी भी जायजा लेने के लिए पहुंचे

स्ट्रांग रूम के सील होने के पूर्व एक दो स्थानीय राजनीतिक दल के प्रत्याशी स्ट्रांग रूम का जायजा लेने पहुंचे। स्ट्रांग रूप की सुरक्षा से प्रत्याशी संतुष्ट नजर आए। स्ट्रांग रूम का जायजा लेने जाने वाले प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधियों को पास लेना होगा। प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि स्ट्रांग रूम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से स्ट्रांग रूम का जायजा ले सकते हैं।

दो किलोमीटर की आवाजाही पर रोक

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा तीन लेयर में की गई है। पहला लेयर स्ट्रांग रूम का बाहरी परिसर है। स्ट्रांग रूम परिसर की बाहरी परिधि के दो किलोमीटर के दायरे में आम लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही परिधि के अंदर दाखिल होने वाले लोगों को पास दिखाना अनिवार्य होगा।

स्ट्रांग रूम जाने की अनुमति नहीं

जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक स्ट्रांग रूम सील होने के बाद वहां किसी को जाने की अनुमति नहीं है। स्ट्रांग रूम के अंदर पल-पल की जानकारी हासिल करने सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कैमरे की मदद से स्ट्रांग रूम के अंदर की स्थिति का जायजा लिया जा सकता है। पारदर्शिता बरतने स्ट्रांग रूम के बाहर भी मॉनिटर लगाए गए हैं। मॉनिटर के माध्यम से स्ट्रांग रूम के अंदर देखा जा सकता है।

गोपनीयता भंग दो के खिलाफ अपराध दर्ज

चुनाव प्रक्रिया में मतदान से लेकर कई बिंदुओं को लेकर मतदाताओं के साथ चुनाव कार्य में लगे चुनावकर्मियों को गोपनीयता बरतने के निर्देश दिए गए थे। सोशल मीडिया की निगरानी करने सायबर सेल में अलग से मॉनिटरिंग सेल की टीम गठित की गई थी। चुनाव में मतदान प्रक्रिया में किसी अज्ञात ने पर्ची निकालने से लेकर वोट डालने तक का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में अपलोड कर दिया। वीडियो अपलोड होने की जानकारी मिलने पर साइबर सेल पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। आईपी एड्रेस के आधार पर पुलिस वीडियो अपलोड करने वालों की पहचान कर रही है।

डिपार्चर गेट के समीप सुबह की घटना

एयरपोर्ट पर मधुमक्खियों का हमला, तीन यात्री जख्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घटना में तीन यात्री जख्मी हुए, जिन्हें एयरपोर्ट की मेडिकल टीम द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद रवाना किया गया। तीनों हैदराबाद और बेंगलुरु की फ्लाइट के यात्री थे। घटना के बाद मौजूद मधुमक्खी के छत्ते को हटाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

जानकारी के अनुसार यात्री नियमित प्रक्रिया के तहत रायपुर विमानतल पर आवाजाही कर रहे थे। इसी दौरान कुछ यात्री इधर-उधर भागने लगे। बताया जाता है कि डिपार्चर गेट पर मौजूद छत्ते ⏭शेष पेज 13 पर

प्रयागराज फ्लाइट की वापसी के आसार

सूत्रों के अनुसार करीब सात माह पहले बंद हुई रायपुर-प्रयागराज की सीधी फ्लाइट की वापसी के आसार बन रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि यात्रियों की संख्या और लगातार डिमांड के बाद इसे पुनः प्रारंभ करने का विचार किया जा रहा है। एयरलाइंस कंपनी द्वारा प्रस्ताव भेजे जाने और डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद उसे संचालित किया जाएगा। रायपुर-प्रयागराज की फ्लाइट नियमित रूप से संचालित होती थी और इसके लिए काफी यात्री मिलते थे।

अयोध्या फ्लाइट का भी इंतजार

ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार राम मंदिर स्थापना के बाद आस्था का केंद्र बने अयोध्या के लिए देश के कई शहरों से फ्लाइट का संचालन हो रहा है, मगर छत्तीसगढ़ के लिए किसी उड़ान की घोषणा नहीं हुई है। यहां से अयोध्या जाने वालों को दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद अथवा लखनऊ जाकर अपनी यात्रा पूरी करनी पड़ती है, जिसमें अधिक खर्च उठाना पड़ता है।

शहर की सबसे ज्यादा सुरक्षित लॉ विस्टा कॉलोनी में कारोबारी के यहां लाखों की चोरी

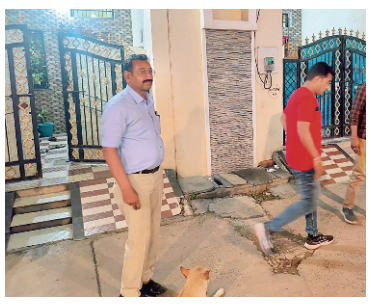

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी की सबसे ज्यादा प्रतिष्ठित तथा वीआईपी कालोनी में शुमार लॉ विस्टा जहां हाई प्रोफाइल वर्ग के लोग निवास करते हैं, वहां चोरों ने एक कारोबारी के बंगले में दबिश देकर कैश छह लाख रुपए पर हाथ साफ कर दिए। साथ ही चोरों ने टिकरापारा थाना क्षेत्र की रावतपुरा कालोनी में धावा बोलते हुए एक बैंक कर्मी के घर से नकदी सहित 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए।

- घर के खिड़की दरवाजे बंद, चोर अंदर दाखिल कैसे हुए इसे लेकर पुलिस उलझी

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित लॉ विस्टा में रहने वाले कारोबारी मनीष घुप्पड़ एक सप्ताह पूर्व अपने पूरे परिवार के साथ यूरोप टूर पर गए हुए हैं। घर में सुबह काम करने वाली बाई पहुंची, तो उसने देखा कि मनीष जिस बेडरूम में रहता है, वहां का सारा सामान बिखरा पड़ा है। इस पर उसने चोरी की आशंका के चलते मनीष के भाई को घटना की जानकारी दी। मनीष के भाई ने घर पहुंचकर आलमारी खोलकर देखा, तो आलमारी में रखे छह लाख रुपए गायब मिले। शहर के सबसे ज्यादा सुरक्षित तथा वीआईपी कालोनी ⏭शेष पेज 13 पर

काम पर जाते ही चोरों ने हाथ साफ किया

पुलिस के मुताबिक टिकरापारा थाना क्षेत्र के मठपुरैना स्थित रावतपुरा कालोनी फेस-1 में रहने वाले एक निजी बैंक के कर्मी रितेश यादव ने अज्ञात के खिलाफ नकदी 35 हजार रुपए सहित 10 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के डायमंड, सोने, चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई है। रितेश ने पुलिस को बताया है कि वह तथा उनकी पत्नी जॉब करते हैं। सोमवार को दोनों सुबह 11 बजे घर बंद कर ऑफिस चले गए। शाम साढ़े सात बजे काम से घर लौटने पर उन लोगों ने देखा कि घर के मुख्य द्वार की कुंडी टूटी हुई थी। बेडरूम जाकर देखा, तो आलमारी खुली हुई थी, लॉकर टूटा हुआ था और आलमारी का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर ने आलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखी नकदी तथा जेवर पर हाथ साफ कर दिए थे।

दक्षिणी हवा के प्रभाव से बने हुए वर्षा के आसार

बारिश के बाद रात-दिन के तापमान में पांच डिग्री की गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिछले चौबीस घंटे में रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में हुई बारिश ने मौसम बदल दिया है। रात की वर्षा की वजह से रायपुर में रात और दिन का तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक कम हो गया। रायपुर समेत किसी भी शहर में पारा चालीस डिग्री तक नहीं पहुंचा। सुबह निकली धूप की वजह से थोड़ी उमस जैसी परेशानी जरूर हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अभी दक्षिण से हवा का प्रवेश हो रहा है, जिसकी वजह से तापमान में तेजी से वृद्धि होने के संकेत नहीं हैं। चौबीस घंटे में तापमान एक से डेढ़ डिग्री तक बढ़ने की वजह से मौसम को सामान्य होने में कुछ दिन वक्त लग सकता है। बुधवार को नमी की वजह से सुबह धूप के साथ बेचैनी महसूस हुई। हालांकि धूप में बहुत अधिक तेजी नहीं थी। रायपुर समेत प्रदेश के अधिकतर इलाकों में तेज गर्मी से अभी राहत है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिण से आने वाली हवा के प्रभाव से शाम होने के बाद कहीं-कहीं बारिश होने के भी आसार बने हुए हैं। ⏭शेष पेज 13 पर

प्रमुख शहरों का तापमान

रायपुर	36.5
बिलासपुर	37.0
पेंड्रा	37.0
अंबिकापुर	36.0
जगदलपुर	34.2
दुर्ग	35.2
राजनांदगांव	37.5

इन इलाकों में वर्षा

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में बस्तर के विभिन्न हिस्सों में पांच से लेकर तीन सेमी. तक बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा रायपुर समेत करीब दर्जनभर क्षेत्रों में एक से दो सेमी. तक वर्षा हुई है।

शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू ने ढिल्लन को किया है गिरफ्तार

दस्तावेज जब्त करने ढिल्लन के घर ईओडब्ल्यू का धावा, 16 मई तक न्यायिक रिमांड पर जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/भिलाई

ईओडब्लू तथा एसीबी के अफसरों ने बुधवार को कथित तौर पर दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के शराब घोटाला के आरोप में रिमांड पर चल रहे होटल तथा शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन उर्फ पप्पू के भिलाई स्थित आवास में छापे की कार्रवाई की। छापे की कार्रवाई में एक दर्जन के करीब अफसर, कर्मी शामिल रहे। छापे की कार्रवाई कंपलीट होने के बाद ईओडब्लू के अफसरों ने ढिल्लन को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को 16 मई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया।

- कारोबारी विजय भाटिया के घर भी जांच करने पहुंची जांच एजेंसी

गौरतलब है कि पिछले माह ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम त्रिलोक सिंह के घर छापे की कार्रवाई करने पहुंची थी। इसकी जानकारी मिलने पर त्रिलोक सिंह फरार हो गया। इसके बाद ईओडब्लू की टीम ने ढिल्लन के घर के कमरों की अलमारियों को सील कर दिया था। उसी सिलसिले में बुधवार को ईओडब्लू की टीम ढिल्लन के घर पुनः छापे की कार्रवाई करने पहुंची। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ढिल्लन के घर दस्तावेज जब्त करने के लिए पहुंची थी। छापे की कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी ने क्या-क्या सामान के साथ दस्तावेज जब्त किया है, इसकी अब तक अधिकृत तौर पर पुष्टि नहीं की है।

इस कारोबारी के यहां भी जांच टीम पहुंची

शराब घोटाला के एक अन्य नामजद आरोपी विजय भाटिया के निवास पर ईओडब्लू की टीम छापे की कार्रवाई करने के लिए पहुंची। घोटाला का आरोपी विजय भाटिया फरार है। जांच टीम भाटिया के घर छापे की कार्रवाई करने पहुंची, तब विजय भाटिया घर पर नहीं मिला। गौरतलब है कि शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा, अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी, त्रिलोक सिंह, विजय भाटिया सहित आधा दर्जन से ज्यादा लोगों की केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने अस्थायी तौर पर संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। शराब घोटाले की जांच राज्य के साथ केंद्रीय जांच एजेंसी कर रही है।

राजेंद्र नगर में एक सप्ताह के भीतर दूसरी चेन स्नैचिंग की वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में इन दिनों चेन स्नैचर सक्रिय हैं। बदमाशों ने एक सप्ताह के भीतर दो चेन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया है। बदमाश बुजुर्ग महिलाओं को चेन स्नैचिंग का शिकार बना रहे हैं। बदमाशों ने पता पूछने के बहाने घर के बाहर बैठी 84 साल की बुजुर्ग महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया है। इसके पूर्व घर के बाहर टहलने निकली महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हुई थी। पुलिस के मुताबिक वल्लभ नगर निवासी राजकुमारी साहू ने अपने साथ चेन स्नैचिंग होने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि वह मंगलवार ⏭शेष पेज 13 पर

घटना के पांच दिन पूर्व स्नैचिंग

एक अन्य मामले में महावीर नगर में रहने वाली मेनका मंगतानी ने बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चेन स्नैचिंग करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला के अनुसार तीन मई को वो एक ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

शंकराचार्य जयंती समारोह 12 को, सीएम भी होंगे शामिल

रायपुर। छग सनातन दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा शहीद स्मारक भवन में 12 मई को प्रदेश स्तरीय शंकराचार्य जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में पूजन अर्चन, शोभायात्रा, भोजन प्रसादी, शंकराचार्य जी पर व्याख्यान, अतिथि स्वागत, प्रतिभा सम्मान, युवक युवती परिचय सम्मेलन आदि संपन्न होगा। यह जानकारी कोषाध्यक्ष योगेंद्र पूरी गोस्वामी ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरण साव और विजय शर्मा होंगे। विशेष अतिथि के रूप में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक मोतीलाल साहू, महंत रामसुंदर दास, डॉ. महेश गिरि दिल्ली, महंत सच्चिदानंद गिरि दिल्ली और वीरेंद्र अयोध्या पुरी गोस्वामी उपस्थित होंगे।

अब तक नहीं मिला बैकलॉग फ्री सर्टिफिकेट

रायपुर। मोतियाबिंद फ्री स्टेट अभियान के तहत चिन्हित मरीजों के मोतियाबिंद की सर्जरी करने के बाद भी रायपुर समेत कई जिलों को बैकलॉग सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से करीब डेढ़ साल पहले इसका प्रस्ताव भेजा जा चुका है। छत्तीसगढ़ ने मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए ब्लाक स्तर पर इस अभियान की शुरुआत की थी और सफलता को देखते हुए इसे जिला स्तर पर लागू किया था।छत्तीसगढ़ में सबसे पहले कवर्धा जिले ने बैकलॉग फ्री होने का दावा किया इसके बाद रायपुर, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, रायगढ़, बालोद, धमतरी, दुर्ग और कोरबा की ओर से इस मामले में दावे आए थे।

स्वास्थ्य केंद्रों में फिर खाली हुए लू वार्ड

रायपुर। मौसम के उतार-चढ़ाव की वजह से राज्य में गर्मी अपना लंबे समय तक नहीं दिखा पाई है। इसकी वजह से जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में बनाए गए लू वार्ड एक बार फिर वीरान हो चुका है। रायपुर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक नहीं पहुंचा है। इसके साथ ही गर्मी से बचाव के लिए भी लोग जागरूक हो चुके है इसकी वजह से लू जैसी शिकायतें काफी कम संख्या में सामने आते हैं। चिकित्सकों की माने तो अभी मई के बड़े दिन शेष है इसके अलावा जून के पहले पखवाड़े में भी गर्मी अपना असर दिखाती है इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है।

कबाड़ी दुकान से 1.60 लाख का कबाड़ चोरी

रायपुर। विधानसभा थाने में एक कबाड़ी दुकान के संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपनी दुकान से एक लाख 60 हजार रुपए का कबाड़ चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक रवि कुमार पारधी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। रवि ने पुलिस को बताया कि उसकी एमजीएम अस्पताल के पीछे आमासिवनी में कबाड़ की दुकान है। अज्ञात चोर शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात चारपहिया वाहन में कबाड़ चोरी कर ले गया।

पद्म पुरस्कारों के लिए केंद्र सरकार ने मंगाए प्रस्ताव, कहा- योग्य व्यक्तियों की करें तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य सरकार ने कलेक्टरों को जारी किया आदेश

वर्ष 2025 में दिए जाने वाले पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कारों के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने योग्य एवं पात्र व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव मंगाए हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार को पत्र भेजा गया है। नामांकन प्रस्ताव 15 सितंबर तक ऑनलाइन माध्यम से लिए जाएंगे। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों से कहा है कि पुरस्कार के लिए निर्धारित पात्रता एवं मापदंड के अनुरूप स्पष्ट अनुशंसा सहित जिले के के योग्य एवं पात्र व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव 30 अगस्त तक सामान्य प्रशासन विभाग को भिजवाएं। केंद्र सरकार के गृह विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि पद्म पुरस्कार के लिए नामांकन, सिफारिशें केवल ऑनलाइन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर स्वीकार की जाएंगी, जिसे इसी उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किया गया है। नामांकन, सिफारिश में अनुशंसित व्यक्ति की उससे संबन्धित क्षेत्र, विषय में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों का स्पष्ट उल्लेख करते हुए प्रशस्तिपत्र (अधिकतम 800 शब्द) में दिया जाना चाहिए।

अलग खबर

योग्य व्यक्तियों की करें तलाश

संयुक्त सचिव ने पत्र में लिखा है, अतीत में देखा गया है कि बड़ी संख्या में व्यक्तियों के संबंध में नामांकन प्राप्त होते हैं, लेकिन असाधारण योगदान के बावजूद कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के नाम पर विचार नहीं किया जाता। ज्यादातर ऐसे लोगों की मुख्य रूप से इस कारण से अनदेखे रहने की संभावना रहती है कि उन्हें अपने सार्वजनिक जीवन में प्रचार या प्रमुखता की आकांक्षा नहीं रहती। इसीलिए, अनुरोध है कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के पूरे प्रयास किए जाएं जिनका उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियां सम्मान योग्य हैं और उनका उपयुक्त नामांकन किया जाए। ऐसे योग्य व्यक्तियों के सम्मान से इन पुरस्कारों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वोटिंग में 8 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुष मतदाता आगे

रायपुर लोकसभा में 66.82% पड़े वोट पिछले चुनाव की तुलना में कम हुई वोटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर लोकसभा सीट के लिए इस बार कुल 66.82 प्रतिशत वोटिंग हुई है। मंगलवार को मतदान के दिन शाम 5 बजे तक वोटिंग का प्रतिशत 61.25 था। इसमें 5 से 6 बजे के बीच हुई एक घंटे की वोटिंग का प्रतिशत 4.85 रहा। इस तरह वोटिंग कुल प्रतिशत बढ़कर 66.82 पहुंच गया है। वास्तविक प्रतिशत निकाले जाने के बाद रायपुर लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में सबसे ज्यादा वोटिंग का प्रतिशत अभनपुर विधानसभा में दर्ज किया गया है। यहां 81.19 प्रतिशत वोटिंग हुई है, वहीं 75.64 प्रतिशत वोटिंग के साथ धरसींवा विधानसभा दूसरे नंबर पर रहा। इसी प्रकार रायपुर ग्रामीण में 59.24%, रायपुर पश्चिम में 56.65%, रायपुर उत्तर में 57.71%, रायपुर दक्षिण में 61.42%, आरंग में 72.73% वोट पड़े हैं। इसके अलावा बलौदाबाजार में 73.24% तथा भाटापारा विधानसभा में 69.53 % वोटिंग हुई है। इस तरह सबसे कम वोटिंग रायपुर पश्चिम में हुई है। रायपुर लोकसभा चुनाव में पिछले बार की तरह इस बार भी वोटिंग करने में पुरुष मतदाताओं में ज्यादा उत्साह दिखा, जिसके कारण 9 में से 8 विधानसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं ने महिला मतदाताओं की तुलना में ज्यादा वोट किए हैं। रायपुर ग्रामीण को छोड़कर अन्य सभी विधानसभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं का वोटिंग प्रतिशत ज्यादा रहा।

जागरूकता अभियान का नहीं दिखा ज्यादा असर

रायपुर लोकसभा क्षेत्र में वोटिंग का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने इस बार मतदाताओं को मतदान को लेकर जागरूकता लाने के लिए बैनर-पोस्टर से लेकर स्वीप अभियान के तहत कार रैली, बाइक रैली, नुक्कड़ नाटक, क्रिकेट सहित अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की। यही नहीं, घर-घर मतदान पर्ची वितरण के साथ हल्दी लगे पीले चावल व आमंत्रण पत्र देकर मतदाताओं को वोट करने के लिए जागरूक किया। इसके बाद भी जिले में 19 लाख मतदाताओं में 7 लाख से अधिक मतदाताओं ने वोट नहीं किए। इस तरह जिला प्रशासन के वोट प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास को भी ज्यादा सफलता नहीं मिल पाई।

पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में सिर्फ .82 प्रतिशत ज्यादा वोट पड़े

पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार रायपुर लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या काफी बढ़ी है। इसके बाद भी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार वोटिंग सिर्फ .82 प्रतिशत बढ़ा है।

सेजबहार में जिले के सातों विधानसभा बूथों की ईवीएम मशीनें जमा

सेजबहार स्ट्रांग रूम में रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीनों को जमा कराया गया है। स्ट्रांग रूम में सातों विधानसभा के लिए अलग-अलग कमरे हैं। इन कमरों में विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम मशीनों को बूथवार नंबरों के अनुसार रखा गया है। ईवीएम मशीनों को रखने के बाद कमरों के दरवाजों को सीलबंद कर दिया गया है। अब स्ट्रांग रूम के दरवाजे सीधे मतगणना के दिन 4 जून को खोले जाएंगे। बलौदाबाजार-भाटापारा विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम मशीनों को मतदान के बाद तिल्दा स्थित स्ट्रांग रूम में जमा कराया गया है।

अंतिम मतदान दल रात साढ़े तीन बजे लौटा

मतदान की प्रक्रिया 7 मई को शाम 6 बजे तक चली। इसके बाद मतदान दल रात करीब 8 बजे से सेजबहार स्थित स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को जमा कराने के लिए पहुंचने लगे। विभागीय सूत्रों के अनुसार मतदान दलों के सेजबहार पहुंचने का क्रम रात साढ़े तीन बजे तक चला। आखिरी मतदान दल आरंग विधानसभा क्षेत्र से पहुंचा था। इस दौरान स्ट्रांग रूम में देर रात तक मतदान दलों की ईवीएम मशीनें जमा कराने के लिए भी लंबी कतारें लगी रहीं। ईवीएम मशीनों को जमा करने के दौरान मतदान केंद्र का नंबर, मतदान दल के पीठासीन अधिकारी का नाम, उसके हस्ताक्षर, ईवीएम मशीनों के सीरियल नंबर आदि की एंट्री रजिस्टर में की जा रही थी। इस तरह एक बूथ की ईवीएम मशीनों को जमा करने में 15 से 20 मिनट लग रहे थे, जिसके कारण जमा करने का काम सुबह 8 बजे तक चलता रहा।

तीन चरणों के बाद मोदी और भाजपा वाले घबरा गए भाषणों का बदला रुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही- बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, तीन चरणों के मतदान के बाद तस्वीर बहुत हद तक साफ हो गयी। 400 का नारा देने वाली भाजपा 150 नहीं पहुंच रही है। आधे से ज्यादा सीटों पर चुनाव हो गया है। भाजपा इन सीटों पर बुरी तरह पिछड़ चुकी है। देश में कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। तीन चरणों के मतदान के बाद मोदी और भाजपा वाले घबरा गये। उनके भाषणों का रुख बदल गया।

उन्होंने कहा, तीसरे चरण क़े मतदान क़े बाद साफ हो गया, भाजपा क़े बहकावे में जनता नहीं आयी। चुनाव में भाजपा का हिडन एजेंडा संविधान को बदलने और आरक्षण समाप्त करने का बेनकाब हुआ। जनता यह समझ गयी कि संविधान बदलने के लिये भाजपा 400 पार का नारा दे रही है। लोग यह भी जान गये कि यह संविधान इसलिये बदलना चाह रहे कि बाबा साहब ने वंचित वर्गों के लिये जो प्रावधान संविधान में किया है, वह संविधान बदलकर समाप्त किया जा सके। भाजपा की यह बदनीयती खुलकर जनता के सामने आ गयी। उन्होंने कहा, चुनाव के प्रचार को कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मकता के साथ किया। हमने अपने न्याय पत्र को जनता के सामने रखा है। यही कारण है कि देशभर में जनता बदलाव के लिये मतदान कर रही है। किसान, मजदूर भी केंद्र में बदलाव के पक्षधर हो गये हैं। जनता को कांग्रेस के वादों से आशा की नई किरण दिख रही है।

मतदान के बाद विकास ने लिया फीडबैक

रायपुर। तीसरे चरण के लिए लोकसभा चुनाव का मतदान होने के बाद दूसरे दिन रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने बूथ स्तर पर हुए मतदान के बारे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जानकारी ली। उन्होंने फोन के माध्यम से कार्यकर्ताओं का हाल-चाल जाना एवं मतदान के बारे में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। कांग्रेस भवन गांधी मैदान में कार्यकर्ताओं के साथ रायपुर लोकसभा के अंतर्गत 2300 बूथों में हुए मतदान का प्रतिशत जाना।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बोले-

भाजपा छत्तीसगढ़ में 11 की 11 सीट जीतेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में मतदान आशा के अनुरूप हुआ है। मोदी को वोट देने माता-बहनों ने आगे आकर मतदान किया है। भाजपा छत्तीसगढ़ में 11 की 11 सीट जीतेगी। पिछली बार से वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। पूरे छत्तीसगढ़ में औसत मतदान 70 प्रतिशत से अधिक है। मतदान के बाद बीजेपी के 400 पार के दावे पर उन्होंने कहा, कल पार्टी कार्यालय में सर्वे किया गया। 300 सीटें मतदान के आधार पर बड़ी संख्या में भाजपा के पक्ष में आएंगी। दूसरे चरण के मतदान के बाद लगभग 100 सीट भाजपा के पक्ष में आएंगी। भाजपा और एनडीए की सीट 400 पार जाएगी। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में शहरी क्षेत्र में हुए कम मतदान को लेकर श्री शर्मा ने कहा, इसके दो कारण हो सकते हैं, पहला अभी हमारे मतदाता सूची के मदर रोल को फिर से बनाने की आवश्यकता है। दूसरा कारण गांव-गांव में मतदान उत्सव के जैसा होता है। उन्होंने कहा, शहरी क्षेत्र में बहुत सारे लोगों का आना होता है, इसलिए मतदान कम दिखता है। कांग्रेस के रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय के निर्वाचन अधिकारियों पर बीजेपी के पक्ष में मत करवाने के आरोप पर उन्होंने कहा, आरोप लगा देना एक अलग बात है। भाजपा की तीन बार की सरकार थी, तब उनकी सरकार आई थी, तब तो उन्होंने आरोप नहीं लगाया। अब उनकी सरकार नहीं है, तो आरोप लगाना शुरू कर दिया।

■ तीनों चरण के मतदान में गांव-गांव में मोदी के पक्ष में मतदान

कमल विहार में भव्य उद्घाटन कार्यक्रम 12 मई को

रायपुर। आर्ट ऑफ लिविंग रायपुर परिवार रायपुर द्वारा गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के जन्मदिन के पूर्व संध्या 12 मई को कमल विहार ज्ञान क्षेत्र सी-4 सेक्टर का उदघाटन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में रायपुर सहित छत्तीसगढ़ वासियों शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी संस्था के पदाधिकारियों ने देते हुए बताया कि 12 मई को सुबह 8 बजे वास्तु और गणेश होमा, सुबह 11 बजे उद्घाटन कार्यक्रम एवं दोपहर में भोजन का कार्यक्रम होगा। इसके अलावा गुरुदेव के जन्मदिन के पूर्व संध्या 12 मई को मुक्ताकाशी मंच घड़ी चौक में शाम 7:15 सामूहिक पूजा के बाद शाम 7:45 में प्रसिद्ध भजन गायक प्रवीण मेहता बैंगलोर आश्रम द्वारा सुरमयी संगीत की सुमेरु संध्या का आयोजन रहा है। इसी कडी में 13 मई को सुबह सुदर्शन क्रिया ज्ञान क्षेत्र रायपुर में तथा आयुष होमा का आयोजन एवं दोपहर में हनुमान मंदिर मोतीबाग के समीप चन्ना, छाछ वितरण कार्यक्रम होगा।

पैकरा को डीएमई का अतिरिक्त प्रभार, जगदलपुर डीन भी रहेंगे

रायपुर। जगदलपुर मेडिकल कालेज के अधिष्ठाता डॉ. यूएस पैकरा को चिकित्सा शिक्षा संचालक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह आईएएस जनक प्रसाद पाठक की यूपी में चुनाव ड्यूटी लगने की वजह से महीनेभर तक आईएएस चंदन कुमार को चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है।

डॉ. विष्णु दत्त 30 अप्रैल को सेवानिवृत हो गए थे। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा संचालक का पद खाली था। राज्य शासन ने बुधवार को आदेश जारी कर जगदलपुर के डीन डॉ. यूएस पैकरा को डीएमई का अतिरिक्त प्रभार दिया है। डॉ. पैकरा चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के काफी वरिष्ठ चिकित्सक हैं और उन्हें डीन के रूप में काम करने का अनुभव भी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में उन्हें पूर्ण रूप से चिकित्सा शिक्षा संचालक बनाया जाएगा। इधर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त का कामकाज 4 जून तक आईएएस चंदन कुमार संभालेंगे। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त जनक प्रसाद पाठक की चुनाव ड्यूटी भारत सरकार द्वारा 5 मई से 4 जून तक लगाई गई है।

खबर संक्षेप

निर्वाचन कार्य में कुशलता के लिए कर्मचारियों की तारीफ

आरंग। एक तरफ शांतिपूर्ण लोकसभा निर्वाचन से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। वहीं इस बार चुनाव में स्वीप जागरूकता गतिविधियों के साथ–साथ जागरूकता नारा "मतदाता ही भाग्य विधाता" की मिसाल देखने को मिली। इस बार के चुनाव में जहां मतदाताओं का मतदान बूथ पर तिलक वंदन कर स्वागत किया गया, वहीं महिला व पुरुष मतदाताओं के बैठने के लिए अलग–अलग व्यवस्था, हर मतदान केंद्र पर छांव, गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए नीबू पानी, शर्बत एवं मट्ठा, साथ ही दवाईयों के साथ–साथ महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड की भी व्यवस्था रही। एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आरंग कुमार सिंह लहरे ने समस्त पंचायत सचिव, कंट्रोल रूम के कर्मचारी, जागरूकता टीम, बूथ लेवल ऑफिसर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि सभी के कार्य कुशलता की प्रशंसा की।

महिला से गाली गलौज

रायपुर। भिलाई में मारपीट कर गाली गलौज करने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। शिकायत पर पुलिस ने धारा 294, 323, 34, 506 के तहत कार्रवाई किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि ग्राम जरवाय बजरंग पारा चौक निवासी एमेन्द्र कुमार साहू ने शिकायत किया है कि धनुष ठाकुर पत्नी देवकी साहू को देख मुंह से थूक देता था 8 मई की दोपहर 1.20 बजे घर खाना खाने पहुचा था। इस दौरान आरोपी धनुष ठाकुर ने मुंह में थूक दिया और गाली गलौज कर रहा था।

निधन

प्रभा देवी मिश्रा

रायपुर। समता कॉलोनी निवासी प्रभा देवी मिश्रा का 8 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 मई को दोपहर 12 बजे महादेवघाट मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे पप्पू मिश्रा की माता थीं।

निर्माण कार्य के कारण रेल यात्रियों का सफर दो दिन प्रभावित, नहीं चल रहीं 22 ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नागपुर रेल मंडल के इतवारी स्टेशन पर निर्माण कार्य के कारण अगले दो दिन तक छत्तीसगढ़ के रेल यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। भरी गर्मी के दिन में 22 ट्रेनें नहीं चलने की वजह से यात्रियों को हलाकान होना पड़ रहा है। जिन ट्रेनों को स्थगित किया गया है, वे ज्यादातर लोकल और पैसेंजर ट्रेन हैं।

गर्मी की छुट्टियां मनाने अक्सर लोग अपने रिश्तेदारों के घर जाते हैं, ऐसे लोगों को ट्रेनें नहीं चलने की वजह से दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। लोकल और पैसेंजर ट्रेनों के माध्यम से अपना सफर पूरा करने वालों को बस में ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं अथवा उस रूट में चलने वाली अन्य ट्रेनों में सवार होकर धक्के खाने पड़ रहे हैं। इतवारी अथवा नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेशन में होने वाले एलएचएस पुशिंग की वजह से मई महीने में दो किस्तों में ट्रेनों की आवाजाही को बाधित किया गया है। पहला चरण बुधवार से प्रारंभ हो गया, जो शुक्रवार तक लागू रहेगा। स्थगित होने वाली 22 ट्रेनों में कुछ रायपुर से होकर गुजरती हैं। इस ट्रेन के नहीं चलने के कारण यात्रियों को दूसरा विकल्प तलाशना पड़ रहा है।

इतवारी स्टेशन पर निर्माण कार्य, ज्यादातर लोकल ट्रेनें

नहीं चल रही यह रेलगाड़ी

बुध, गुरु और शुक्रवार को डोंगरगढ़-गोंदिया, इतवारी-रामटेक, इतवारी-बालाघाट, इतवारी-तिरोड़ी पैसेंजर स्पेशल ट्रेन आवाजाही नहीं करेगी। इसके साथ ही इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस और नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस 8 से 10 मई के बीच रद्द रहेगी। वहीं 9 से 11 मई के बीच गोंदिया-डोंगरगढ़, इतवारी-गोंदिया, इतवारी-रामटेक-इतवारी मेमू पैसेंजर नहीं चलेगी। शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस 9 से 11 मई को रद्द रहेगी।

गोंदिया-छपरा ने रास्ता बदला

प्रयागराज रेलवे स्टेशन में चल रहे आधुनिकीकरण कार्य की वजह से गोंदिया-छपरा-गोंदिया के बीच संचालित होने वाली ट्रेन को अपना रास्ता बदलना पड़ गया है। यह ट्रेन मानिकपुर-प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग-बनारस के स्थान परिवर्तित मार्ग मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी जंक्शन-जिवनाथपुर-बनारस जौनपुर जंक्शन होकर चलेगी।

दोपहर की ट्रेन रात आ रही

एक ओर ट्रेन रद्द हो रही है, वहीं जो चल रही हैं, लेटलतीफी की वजह से उनका भी बुरा हाल है। दोपहर को संचालित होने वाली ट्रेनें रात में रायपुर स्टेशन तक पहुंच रही हैं। हावड़ा जाने वाली आजाद हिंद 24 घंटे लेट यानी दूसरे दिन रायपुर पहुंची। अमृतसर से बिलासपुर के बीच चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस करीब 17 घंटे विलंब से पहुंची। यशवंतपुर-बिलासपुर एक्सप्रेस 14 घंटे लेट से आई है।

आमानाका डिपो में 60 ई बस, पंडरी में 40 बसों के लिए बन रहा डिपो

100 ई बसों के लिए 16 रूट चिन्हांकित, नए रूट के लिए भी एजेंसी से कराया जाएगा सर्वे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मेट्रो सिटी की तर्ज पर राजधानी रायपुर में सुगम पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सेवा उपलब्ध कराने शहर में ईको फ्रेंडली बसें चलाई जाएंगी। केन्द्र सरकार की पीएम बस योजना के तहत रायपुर शहर के लिए 100 ई बसें स्वीकृत की गई हैं। भारत सरकार की गाइड लाइन के हिसाब से इन बसों का संचालन सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने किया जायेगा। 100 ई बसों के लिए नगर निगम ने 17 रूट चिन्हांकित कर रखा है। इसके साथ ही नए रूट के लिए भी एजेंसी के माध्यम से सर्वे कराया जायेगा।

- बस डिपो के लिए निगम करायेगा सिविल वर्क, बिजली का काम करेगा विद्युत विभाग

दरअसल, प्रधानमंत्री ई बस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 4 शहरों को 240 ई बसों की मंजूरी मिली है। रायपुर, दुर्ग- भिलाई, बिलासपुर और कोरबा को ई बसों के संचालन की स्वीकृति केन्द्र शासन से मिली है। पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों को बेहतर परिवहन की सुविधा देने यह पहल की जा रही है। इस योजना में रायपुर को 100 ई बस, दुर्ग-भिलाई को 50, बिलासपुर को 50 और कोरबा शहर के लिए 40 बसें केन्द्र सरकार खरीद कर देगी। साथ ही इसके संचालन की वित्तीय व्यवस्था भी केन्द्र शासन के माध्यम से की जायेगी। इसमें एक बड़ा हिस्सा संबंधित शहर में बस डिपो जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए खर्च किया जायेगा।

पंडरी और आमानाका में सिटी बस डिपो

100 ई बसों को रखने के लिए नगर निगम द्वारा पंडरी के पुराना बसस्टैंड और आमानाका में 2 नए सिटी बस डिपो बनाए जा रहे हैं। इनमें से आमानाका में 60 बसें और पंडरी में 40 नई ई बसों को रखने की व्यवस्था रहेगी। साथ ही पंद्रहवें वित्त आयोग से प्राप्त राशि से नगर निगम 10 ई बसों की भी खरीदी कर रहा है। - *विनोद पांडे, अपर आयुक्त, नगर निगम रायपुर*

ई बसों के लिए 2 जगहों पर सिटी बस डिपो

प्रोजेक्ट के प्रभारी अधिकारी के बताया कि 100 नई ई बसों में से 40 बसों को रखने पंडरी के पुराने बसस्टैंड कैंपस में सिटी बस डिपो बनाने की तैयारी है। इसी तरह आमानाका डिपो में नया सिटी बस डिपो बनाने के लिए इस्टीमेट बनाकर एप्रूवल के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। भारत सरकार की गाइड लाइन के हिसाब से आमानाका और पंडरी में नया सिटी बस डिपो बनेगा। इसके लिए केन्द्र से महीनेभर पूर्व एक टीम पंडरी और आमानाका में प्रस्तावित सिटी बस डिपो स्थल का जायजा लेकर जा चुकी है। बसों की खरीदी एक साथ होगी। आपरेटर तय करने का काम केन्द्रीय स्तर पर होगा। केन्द्र से अनुबंधित बस आपरेटर को नगर निगम प्रति किलोमीटर के हिसाब से राशि का भुगतान करेगा। अनुबंधित आपरेटर बसों का संचालन करेगा। इसके साथ ही मेंटनेंस और बिजली खर्च भी वहन करेगा।

17 चिन्हांकित रूट

- रायपुर रेलवे स्टेशन से पंडरी बसस्टैंड, अवंति चौक से मोवा होते जीरो पाइंट विधानसभा, ढोंढे, खरोरा।
- रेलवे स्टेशन से फाफाडीह और फाफाडीह से सिलियारी स्टेशन।
- रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट, एयरपोर्ट से टाटीबंध चौक, भिलाई, दुर्ग रेलवे स्टेशन।
- रायपुर रेलवे स्टेशन से तेलघानी नाका, हीरापुर नंदनवन।
- रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक, मैग्नेटा मॉल, एमएम फन सिटी, मानसोज।
- रायपुर एम्स हास्पिटल से आमानाका, जयस्तंभ चौक, तेलीबांधा, सेरीखेड़ी, आरंग।
- रेलवे स्टेशन से शास्त्री चौक, आमापारा, कुम्हारी होते अहिवारा।
- रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक, माना बस्ती, चंपारण।
- रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक पचपेड़ी नाका, अमनपुर।
- रेलवे स्टेशन से तेलीबांधा, मंदिर हसौद, कुरुद, चंदखुरी।
- रेलवे स्टेशन से जेलरोड, घड़ी चौक, गौरवपथ, नेशनल हाईवे 6, जोरा इंटरचेंज नया रायपुर मंत्रालय।
- मंत्रालय डीकेएस भवन गेट नंबर 4 जेलरोड, घड़ी चौक, गौरवपथ, नेशनल हाईवे 6 जीरो इंटरचेंज नया रायपुर मंत्रालय।
- कबीरनगर, हीरापुर चौक, पचपेड़ीनाका, एनएच 43, डूमरतराई, नया रायपुर, मंत्रालय।
- टाटीबंध चौक से डीडीनगर, संतोषीनगर, सेरीखेड़ी, जोरा, इंटरचेंज नया रायपुर मंत्रालय।
- एनएच 43 से नया रायपुर रोड नंबर 2, क्रिकेट स्टेडियम, नया रायपुर।

आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री में मर्ज करने के फैसले पर उठाया सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने बताया कि कांग्रेस सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल वर्ष 2020 में आरंभ किया गया और हिंदी माध्यम स्कूल वर्ष 2022 में आरंभ किया गया। वर्तमान में कुल 751 स्वामी आत्मानंद स्कूल पूरे प्रदेश में संचालित है, जिसमें लगभग पांच लाख बच्चें पंजीकृत है और 14 हजार शिक्षक पदस्थ है। सरकारी हिंदी मीडियम स्थापित स्कूलों को बंद कर उसे स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल बनाया गया। अब स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद कर पीएमश्री स्कूल बनाया जा रहा है, जिसको लेकर अब पैरेंट्स एसोसिएशन ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। श्री पॉल ने स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआई को पत्र लिखकर जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। श्री पॉल का कहना है कि आचार संहिता लगा हुआ है और प्रदेश के 311 स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में मर्ज करने पंजीयन कराया जा रहा है, जबकि यह नितिगत निर्णय है और इस प्रकार का कोई निर्णय कैबिनेट की बैठक में कभी लिया ही नहीं गया, बावजूद इसके शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में पंजीयन कराया जा रहा है, जो उचित नहीं है।

इप्टा की बाल व तरूण नाट्य कार्यशाला कल से

रायपुर। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) का 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन बाल एवं तरूण नाट्य कार्यशाला भिलाई में 10 मई से शुरू हो रही है। यह कार्यशाला 30 मई तक चलेगी। इस नाट्य शिविर में इप्टा के अनुभवी कलाकारों द्वारा योग, क्राफ्ट, थिएटर, गायन, चित्रकला, मूर्तिकला, अभिनय, स्क्रिप्ट राइटिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रसिध्द साहित्यकार, कहानीकार, लेखक, व्यंग्यकार, लोक कलाकार और पत्रकारों से रूबरू भी कराया जाएगा, ताकि बच्चों और किशोर का सर्वांगीण विकास हो।

बूढ़ातालाब में 29 .....

पर्यटन मंडल नगर निगम को इसके एवज में हर साल 5 लाख रुपये का भुगतान करेगा। दरअसल, नगर निगम जोन 7 क्षेत्र स्थित बूढ़ातालाब में जन सुविधाओं का संचालन, संधारण करने और वहां वाटर एक्टिविटी से जुड़ी मनोरंजक गतिविधियों के विकास कार्य के लिए वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा मुंबई की एजेंसी मेसर्स एमएमपी वाटर स्पोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के साथ पीपीपी मोड पर कार्य करने अनुबंध किया गया। रायपुर नगर निगम की मेयर इन काउंसिल ने 5 अगस्त 2017 को हुई बैठक में संकल्प पारित कर इसे मंजूरी दी। इसमें शर्त ये रही कि पीपीपी मोड पर बूढ़ातालाब में पब्लिक सुविधाओं का संचालन, संधारण और मनोरंजन सुविधाओं के विकास कार्य में किसी भी प्रकार का पक्का निर्माण नहीं किया जायेगा और तालाब का रकबा कम नहीं किये जाने की शर्त शामिल रही। इस पर पर्यटन मंडल और नगर निगम के बीच अनुबंध हुआ। अनुबंधित एजेंसी ने वर्कआर्डर के बाद शुरुआत में बूढ़ातालाब की सफाई, जलकुंभी निकालने का काम, सौंदर्यीकरण और नीलाम गार्डन के पेड़-पौधों की कटाई -छंटाई कर आकर्षक लाइटें भी लगवाईं। बोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराने बूढ़ातालाब किनारे यार्ड बनाये गये। नीलाम गार्डन के मुख्य गेट के पास टिकट काउंटर भी खोला गया और नौका विहार के लिए जेटस्की, पनडुब्बी सहित अन्य तरह के बोट उपलब्ध कराये। इसका आनंद शहरवासियों ने कुछ दिनों तक उठाया। कुछ

पेज 11 के शेष ...

समय बाद नगर निगम में नई परिषद अस्तित्व में आने पर महापौर एजाज ढेबर द्वारा बूढ़ातालाब के सौंदर्यीकरण का काम रायपुर स्मार्ट सिटी से कराने का निर्णय लिया गया। इस पर अनुबंधित एजेंसी ने ऐतराज जताया और अनुबंध की अवधि का हवाला देते हुए न्यायालय में जनहित याचिका लगाई। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने कंपनी के पक्ष में फैसला दिया।

स्ट्रांग रूम में .....

एरिया को बबल जोन घोषित कर किसी भी तरह के बाहरी लोगों की आवाजाही करने पर पूरी तरह से रोक लगाने के निर्देश दिए। सुरक्षा में ज्यादातर केंद्रीय फोर्स के जवान - स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में जिन डेढ़ सौ जवानों की ड्यूटी लगाई गई है, उनमें ज्यादातर जवान सीआरपीएफ के हैं। स्थानीय पुलिस के जवान बाहरी लेयर की सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। बाहरी लेयर की सुरक्षा में भी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को लगाया गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा आठ-आठ घंटे की तीन शिफ्ट में सुरक्षा बल के जवान करेंगे।

एयरपोर्ट पर मधुमक्खियों .....

की मधुमक्खियों ने लोगों को काटना शुरू कर दिया था। इस घटना के बाद वहां कुछ देर तक आपाधापी मची रही। घटना की जानकारी होने के बाद विमानतल पर तैनात चिकित्सकीय टीम ने तीनों मरीजों का प्राथमिक उपचार किया। सौभाग्य से मधुमक्खी के डंक से किसी को गंभीर जख्म नहीं आया था। उपचार के बाद तीनों यात्री जो अपने परिवार के साथ थे वे टर्मिनल में दाखिल हुए। निर्धारित समय पर अपनी-अपनी फ्लाइट से गंतव्य के लिए रवाना हुए। घटना की जानकारी होने पर विमानतल प्रबंधन ने टर्मिनल की आवाजाही वाले द्वार पर मौजूद मधुमक्खी के छत्ते को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। एयरपोर्ट के निदेशक एसडी शर्मा ने बताया कि घटना हुई थी, मगर किसी को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा।

बारिश के बाद ....

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व राजस्थान के ऊपर स्थित है।

शहर की सबसे ज्यादा ....

में चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस के फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ डॉग स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। चारों तरफ से पैक फिर कैसे घुसे चोर : लॉ विस्टा कालोनी के चारों तरफ ऊंची बाउंड्रीवाल है। कालोनी के अंदर दाखिल होने के पूर्व सुरक्षा जांच होती है। साथ ही रजिस्टर में आगंतुक का नाम एंट्री होता है। ऐसी स्थिति में चोर कालोनी के अंदर कैसे दाखिल हुआ, यह जांच का विषय है। जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक कारोबारी के बंगले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं, आई स्कैनर तथा फिंगर प्रिंट स्कैन के बाद ही डोर खुलता है। पुलिस के अनुसार घर के सारे खिड़की दरवाजे बंद हैं, ऊपर की केवल एक खिड़की खुली हुई है। इसके बाद भी चोरी की घटना ने पुलिस को उलझा दिया है। **इन मामलों को भी अब तक नहीं सुलझा पाई पुलिस** : बदमाश आउटर के साथ शहर के अंदरूनी इलाकों में लगातार लूट, चोरी डकैती की घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस एक दो मामलों को छोड़ बड़ी चोरी, लूट तथा डकैती की घटना को सुलझाने में नाकामयाब रही है। एक सप्ताह पूर्व आमानका थाना क्षेत्र के रिंग रोड में संचालित सेकेंड हैंड वाहन के शोरूम में गार्ड को बंधक बनाकर चार लाख 32 हजार लूट की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों को पुलिस अब तक पकड़ नहीं पाई है। इसी तरह दो माह पूर्व माना में 15 लाख की डकैती की घटना को पुलिस अब तक नहीं सुलझा पाई है।

राजेंद्र नगर में ....

सुबह नौ बजे अपने घर के बाहर पाटा में बैठी थी, इसी दौरान दो नकाबपोष युवक उसके पास पहुंचे और किसी डॉक्टर का पता पूछने लगे। महिला के अनुसार वो उनकी भाषा समझ नहीं पाई, इसी दौरान एक बदमाश महिला के गले से एक लाख रुपए से ज्यादा कीमत की सोने की चेन लूटकर फरार हो गया।

घटना के पांच ...

अन्य महिला के साथ घर के बाहर टहल रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश महिला के करीब पहुंचे और महिला के गले से झपट्टा मारकर चेन लूटने की कोशिश की। महिला के विरोध करने पर आधी चेन टूटकर जमीन पर गिर गई। चोर 65 हजार रुपए कीमत की आधी चेन लूटने में कामयाब रहे।

केस वापस लेने का दबाव बनाने युवती के पति, परिजनों को झूठे केस में फंसाया

पुलिस अफसर होने का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया और रेप, उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोतवाली थाने में दो वर्ष पूर्व दर्ज रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने रेप के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले की

सुनवाई विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण पंकज पंकज कुमार सिन्हा की कोर्ट में हुई। केस वापस लेने का दबाव बनाने रेप के आरोपी ने युवती के पति तथा परिजनों को झूठे केस में फंसाकर जेल भिजवाया था। लोक अभियोजक निलेश ठाकुर के मुताबिक कोर्ट ने पीयूश तिवारी को 27 वर्षीय युवती के साथ रेप करने के आरोप में कैद की सजा सुनाई है। पुलिस द्वारा कोर्ट में पेश केस डायरी के मुताबिक युवती ने चार वर्ष पूर्व 3 जनवरी 2020 को पीयूश के खिलाफ थाने में रेप की शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के दो वर्ष पूर्व युवती की पीयूश के साथ पहचान हुई थी। तब उसने युवती को अपने आपको डीएसपी होना बताया था। इसके बाद पीयूश ने युवती को शादी करने का झांसा देकर रेप किया। शादी करने का दबाव बनाने पर पीयूश ने इनकार कर दिया।

परिजनों को झूठे केस में फंसाया

युवती ने कोर्ट में बताया कि बार-बार परेशान किए जाने की वजह से उसने पीयूश के खिलाफ थाने में रेप की शिकायत दर्ज कराई। इसकी जानकारी मिलने पर पीयूश ने युवती के पति तथा उसके परिजनों के खिलाफ भिलाई तथा मौदहापारा थाने में झूठी एफआईआर दर्ज कराकर जेल भिजवाया। इसके बाद पियूश युवती को उसके पति तथा परिजनों को जमानत दिलाने के नाम पर राजेंद्र नगर स्थित एक होटल में ले गया, वहां उसने युवती को कोल्ड ड्रिंक में नशीली दवा मिलाकर बेहोश कर रेप किया। साथ ही पीयूश से तलाक लेकर अपने साथ रखैल के रूप में रहने दबाव बनाया।

बचाव के लिए पुलिस को गवाह बनाया

लोक अभियोजक के मुताबिक रेप के आरोपी ने बचाव के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। युवती के परिजनों के खिलाफ झूठे केस दर्ज कराने के साथ ही आरोपी ने अपने बचाव के लिए पुलिस को गवाह बनाकर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने साक्ष्य के आधार पर पीयूश के खिलाफ दर्ज अपराध को सही पाते हुए कैद की सजा सुनाई।

जानकारी जुटाने पर निकला फर्जी पुलिस अफसर

शादी से इनकार करने पर युवती ने पीयूश के बारे में जानकारी जुटाई, तब उसे पता चला कि पीयूश फर्जी पुलिस अधिकारी है। साथ ही वह पूर्व से विवाहित है। इसके बाद युवती पीयूश के साथ संबध तोड़कर अपने परिजनों के साथ बिलासपुर चली गई और परिजनों की सहमति से इंदौर के लड़के से शादी कर ली। युवती की शादी होने की जानकारी मिलने पर पीयूश ने युवती पर संबंध बनाने दबाव बनाया। ऐसा नहीं करने पर युवती को उसकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देने लगा।

न्यायालय श्रीमान चतुर्थ अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर (छ.ग.)
(ज्ञापन)
दिलीप चंद्रवंशी वगैरह .....आवेदकगण
विरुद्ध
नन्दु यादव वगैरह .....अनावेदकगण
प्रकरण सी टी क्र. 1448 /2023
पेशी तारीख 14/06/2024
प्रो नं. 776
1. M/S AVR CONTRUCTION COMPANY
द्वारा संचालक- हरिदत्त शर्मा, उम्र लगभग 44 वर्ष,पिता- दिनेश कुमार शर्मा निवासी- शिवानंद नगर सेक्टर 03 रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

आपके विरुद्ध इस न्यायालय मे आवेदक दिलीप चंद्रवंशी के द्वारा रुपये 43,50,000/- (त्रालिस लाख पचास हजार रुपये) क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त करने हेतु आवेदकगण के द्वारा अनावेदकगण के विरुद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत दावा प्रकरण संस्थित किया गया है। आपको इस न्यायालय मे दिनांक 14/06/2024 को दिन के 11:00 बजे दावा प्रकरण का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिरी) होने के लिए नोटिस / समंस का प्रकाशन किया जाता है। आप इस न्यायालय में स्वयं या किसी प्लीडर / अधिवक्ता के द्वारा उपसंजात (हाजिरी) हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और इस दावा से संबंधित सभी सरवान प्रश्नो का उत्तर दे सके, तथा उन सभी दस्तावेजो को पेश करने के लिए तैयार रहे, जिस पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते है। आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त तारीख को इस न्यायालय में हाजिरी नही होगे तो आपके विरुद्ध दावा की एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए दावा का निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा। यदि किसी कारण वश पेशी तारीख को अवकाश घोषित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस को की जावेगी।

आज दिनांक 30/04/2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
स्थान :- बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक 30/04/2024
कु.पुष्पलता मारकण्डे
चतुर्थ अपर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मण्डल द्वारा निर्मित दीनदयाल आवास योजना गातापार, अभनपुर, रायपुर में एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक- 181, श्री रामनारायण द्विवेदी पिता स्व. श्री भैया लाल द्विवेदी, के नाम स्वविवेकीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद मे पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय अभनपुर से दिनांक 16.01.2014 को लीज डीड (पट्टा - विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में श्री रामनारायण द्विवेदी पिता श्री स्व. भैया लाल द्विवेदी, निवासी :- सिविल लाईन, रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री दिलीप कुमार साहू पिता स्व. श्री फिरंगी साहू निवासी:- गातापार कालोनी, अभनपुर, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः दीनदयाल आवास योजना गातापार अभनपुर स्थित एल.आई.जी. स्वतंत्र भवन क्रमांक- 181, के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना,
नवा रायपुर, अटल नगर

मंत्रालय में नवनियुक्त कर्मचारियों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन सेवा में नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए ओरियेंटेशन (प्रशिक्षण) कार्यक्रम का आयोजन सामान्य प्रशासन विभाग के तत्वावधान में किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अन्बलगन पी ने नवनियुक्त कर्मचारियों को मंत्रालयीन कार्य के संबंध महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, अधिकारी कर्मचारी अपने अच्छे कार्य से प्रगति कर सकते है। उन्होंने कार्य पूरी मेहनत, लगन एवं समपर्ण की भावना से करने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण के महत्व के संबंध में भी बताया। कार्यक्रम के दौरान मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव के बारे में बताया। कार्यक्रम में मंत्रालयीन कर्मचारी संघ का सहयोग सहरानीय रहा।

खबर संक्षेप

वन बंधु महिला समिति की बैठक में आगामी कार्यों पर हुई चर्चा

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एकल कार्यालय में बुधवार को वन बंधु परिषद महिला समिति की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने अप्रैल माह में किए गए सेवा कार्यों की समीक्षा के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय की गई। इसी दौरान मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि 5 से 7 अप्रैल को कोलकाता में आयोजित युवा सम्मेलन और पूर्वी क्षेत्र की बैठक में कांता सिंघानिया सहित 3 सदस्यों ने भाग लिया था, वही रायपुर महिला समिति ने पूर्वी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संक्रांति संग्रह का दूसरा पुरस्कार कोलकत्ता में जीता। श्रीमती राठी ने बताया कि समिति की सदस्यों द्वारा 23 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। बैठक में अंजली तापड़िया ने कार्यक्रम की रिपोर्टिंग के तरीके को समझाते हुए नए सदस्यों को पंचमुखी शिक्षा की प्रस्तुति के साथ विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सरिता रेखानी, अनिता खंडेलवाल, शताब्दी पांडेय, शशि बागड़ी, मीना अग्रवाल, सविता गुप्ता, सुधा शर्मा, डा. रेणुका शर्मा, मधु सिंघी, पूजा छाबड़ा, मधु मित्तल, पुष्पा साहू, आरती अग्रवाल, संध्या गुप्ता, रीता चोपड़ा, कल्पना खंडेलवाल मौजूद रहीं।

शुरू नहीं हो पाया आक्सीजन प्लांट

रायपुर। कोरोना काल के दौरान पीएम केयर से मिले फंड से डीके अस्पताल के लिए लगाए गए लिक्विड आक्सीजन का प्लांट का काम अब तक शुरु नहीं हो पाया है। इस प्लांट की मदद से अस्पताल में भर्ती मरीजों को आवश्यक होने पर आक्सीजन सप्लाई की सुविधा मिल पाती। प्लांट बनाने के बाद इसकी गैस की सप्लाई अस्पताल परिसर तक करने के लिए पाइप लाइन बिछाने का काम भी पूरा किया जा चुका है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्लांट की शुरुआत करने के लिए कुछ अनुमति प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है जिसका काम अधूरा पड़ा है जिसकी वजह से प्लांट अभी भी शो-पीस बना हुआ है।

आचार संहिता के बाद ई-लाइब्रेरी शुरू होने के आसार

रायपुर। शासकीय डेंटल कालेज के छात्रों को ई-लाइब्रेरी की सुविधा आचार संहिता के बाद मिलने की संभावना बढ़ गई है। संजीवनी एक्सप्रेस का संचालन करने वाली पुरानी कंपनी से भवन वापस मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने इस ओर अपना ध्यान देने शुरु किया था। लाइब्रेरी निर्माण के लिए अस्पताल द्वारा गठित कमेटी द्वारा विभिन्न बढ़े शिक्षण संस्थानों का निरीक्षण किया था। करीब दस करोड़ की लागत से बनने वाले इस लाइब्रेरी का प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजा जा चुका था जिस पर किसी तरह का फैसला होने से पहले आचार संहिता लागू हो गया था।

अंडरग्राउंड बिजली केबलिंग ने बिगाड़ा फायबर नेट का सिस्टम, उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में अंडरग्राउंड बिजली केबिलंग का काम चल रहा है, जिसके कारण विद्युत खंभों को हटाया जा रहा है। जिन खंभों को हटाया जा रहा है, उनमें विभिन्न कंपनियों के फायबर नेट केबल भी लगे हुए हैं। इन खंभों को हटाने के दौरान फायबर नेट केबलिंग को भी हटाया जा रहा है, जिसके कारण लाखेनगर, पुरानी बस्ती सहित आसपास के इलाकों के 100 से अधिक घरों में लगे जियो फायबर नेट की सेवा ही पिछले सप्ताहभर से ठप है।

हरिभूमि सरोकार

स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने शहर में विद्युत खंभों को हटाकर केबल को अंडरग्राउंड कराने का काम कराया जा रहा है। इसके तहत केबल बिछाने के लिए खुदाई करने का काम नगर निगम को सौंपा गया है, वहीं खुदाई के बाद केबल बिछाने और विद्युत खंभों को हटाने का काम बिजली विभाग कर रहा है। विद्युत खंभों में जियो सहित अन्य कंपनियों के फायबर नेट केबल भी लगे हुए हैं। खंभों को हटाने के दौरान नेट केबल को भी हटाया जा रहा है, जिसके कारण जियो का फायबर नेट केबल क्षतिग्रस्त हो रहा है।

पुरानी बस्ती से लाखेनगर में भी विद्युत खंभों को हटाने का काम चल रहा है। इसके कारण यहां खंभों में लगी जियो के फायबर नेट केबल को काटकर हटा दिया गया, जिसके कारण इस क्षेत्र के लगभग 100 घरों में पिछले सप्ताहभर से जियो फायबर नेट ही बंद पड़ा है, जिसके कारण इसकी सेवा ले रहे उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ी हुई है। नेट नहीं होने के कारण मोबाइल और एलईडी टीवी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

लाखेनगर-पुरानी बस्ती क्षेत्र के लगभग 100 घरों में जियो फायबर नेट की सेवा ठप

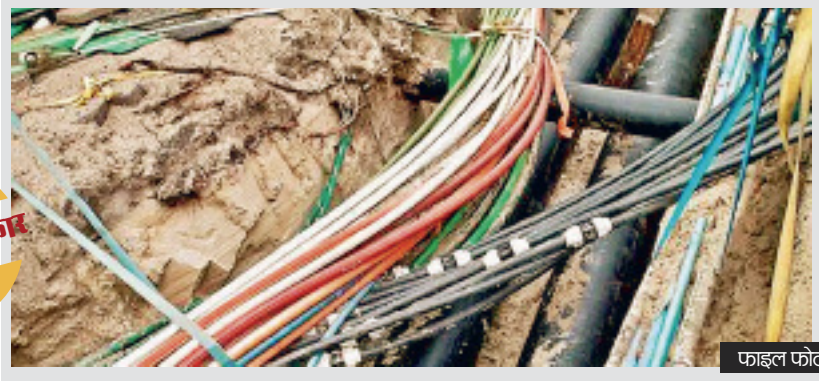

फाइल फोटो

- खुदाई के बाद केबल बिछाने और विद्युत खंभों को हटाने का काम बिजली विभाग कर रहा
- नेट नहीं होने के कारण मोबाइल और एलईडी टीवी का उपयोग नहीं कर पा रहे

नगर निगम से की है शिकायत

अंडरग्राउंड केबलिंग के कारण विद्युत खंभों को हटाया जा रहा है। इसके कारण क्षेत्र में फायबर नेट की समस्या आ रही है। इस संबंध में नगर निगम से शिकायत की गई है।
- **जीतेंद्र अग्रवाल,** पार्षद, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

डीडीनगर में भी 3 दिन से सेवा बंद

शहर के डीडी नगर क्षेत्र के सेक्टर-1 में पिछले 3 दिन से जियो फायबर नेट की सेवा बंद है, जिसके कारण इस क्षेत्र के रहवासी भी नेट चालू नहीं होने से परेशान है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में एक विद्युत खंभे में आग लगी थी। इस खंभे में जियो फायबर नेट की केबल भी लगी हुई है। संभवतः इस आग के कारण ही जियो फायबर केबल जल गई है, जिसके कारण इसकी सेवा भी ठप है।

शिकायत के बाद भी विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की

चिखली खदान में बड़ी चेन माउंटेन मशीनों से दिन-रात किया जा रहा रेत का अवैध उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र स्थित चिखली रेत खदान में रेत माफिया दिन-रात रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन करा रहे हैं। इसके लिए खदान में बड़ी चेन माउंटेन मशीनें लगाकर बहुत कम समय में हाईवा गाड़ियों में रेत की लोडिंग कराकर परिवहन किया जा रहा है। खदान में चल रहे इस अवैध उत्खनन का लाइव वीडियो बनाते हुए छत्तीसगढ़ हाईवा परिवहन संघ ने खनिज विभाग से शिकायत भी की है, लेकिन इस शिकायत के बावजूद खदान में चल रहे अवैध उत्खनन को रोकने के लिए विभाग ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इसके कारण खदान में रेत माफिया के लोग बेखौफ होकर रेत का उत्खनन व परिवहन कर रहे हैं।

खास खबर

वीडियो में चेन माउंटेन मशीन से हाइवा में रेत लोडिंग करते लोग भी दिख रहे

छत्तीसगढ़ हाईवा परिवहन संघ के पदाधिकारियों ने चिखली रेत खदान में चल रहे अवैध रेत का उत्खनन का विडियो बनाया है। इस विडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कुछ लोग नदी किनारे से चेन माउंटेन मशीन से रेत का उत्खनन कर हाईवा में लोडिंग कर रहे हैं। यह विडियो रात में बनाया गया है। इस विडियो में 5-6 चेन माउंटेन मशीनों के साथ आधा दर्जन से अधिक हाईवा गाड़ियां दिखाई दे रही हैं, जिसमें रेत भरी जा रही है। संघ के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बताया कि इसकी शिकायत वे खनिज विभाग के अधिकारियों व इंस्पेक्टरों से कर चुके हैं, लेकिन अब तक इसमें कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रेत माफिया को संरक्षण प्राप्त : विनोद अग्रवाल ने कहा है कि शिकायत के बाद भी रेत माफिया के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे स्पष्ट है कि रेत माफिया को किसी ऐसे व्यक्ति का संरक्षण प्राप्त है, जिसकी पकड़ विभाग के अधिकारियों तक है, इसलिए शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

13 में 4 को एनओसी, वहां भी नियम विरुद्ध लोडिंग

सूत्रों के अनुसार रायपुर जिले में 13 रेत खदानों में अब तक 4 खदानों को ही सीआ से एनओसी मिल पाई है। इनमें कुरुद, हल्दीडीह, पारागांव एवं कुम्हारी में एक-एक खदान है। इन खदानों में भी नियम विरुद्ध तरीके से चेन माउंटेन मशीनों से ही रेत की लोडिंग कराई जा रही है।

एनओसी के बिना जारी खदान में उत्खनन

सूत्रों के अनुसार चिखली रेत खदान को सीआ से रायल्टी पर्ची पर उत्खनन करने की एनओसी नहीं मिल पाई है। इसके बाद भी खदान में रेत का उत्खनन व परिवहन किया जा रहा है। एनजीटी की गाइड लाइन के अनुसार एनओसी मिलने के बाद भी खदान में रेत की लोडिंग मजदूरों के जरिए कराया जाना है, लेकिन ठेकेदार चेन माउंटेन मशीन से लोडिंग करा रहे हैं।

शिकायत मिली है तो कार्रवाई कराएंगे

चिखली खदान में अवैध रेत उत्खनन-परिवहन किए जाने की शिकायत आई है, तो इस पर कार्रवाई कराएंगे।
- **गौरव सिंह,** कलेक्टर रायपुर

दो दिन लगातार ड्यूटी, थकान मिटाने कोई पूरे दिन-कोई आधे दिन रहे छुट्टी पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा चुनाव में रायपुर जिले के विधानसभा क्षेत्रों में पोलिंग बूथों पर ड्यूटी करने वाले कई अधिकारी-कर्मचारी ड्यूटी की थकान मिटाने के लिए बुधवार को अवकाश पर रहे, वहीं कई आधे दिन की छुट्टी पर रहे।

जिलेभर से पोलिंग बूथों पर लगभग साढ़े 11 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसके साथ अधिकारियों की भी पोलिंग बूथों पर नजर रखने के साथ अन्य चुनाव गतिविधियों की जिम्मेदारी दी गई थी। इस तरह सभी अधिकारी-कर्मचारी 6 मई को सुबह 6 बजे से मतदान सामग्री वितरण व मतदान दलों के पोलिंग बूथों पर रवाना करने के दिन से लेकर दूसरे दिन 7 मई को शाम 6 बजे मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में जमा करने तक लगातार दो दिन तक ड्यूटी करते रहे। ईवीएम मशीनों को जमा करने का काम स्ट्रांग रूम में देर रात तक चलता रहा। इस कारण कई अधिकारी-कर्मचारी सुबह अपने घर लौट पाए। इसके कारण कई अधिकारी-कर्मचारी पूरी तरह से थक चुके थे। इस थकान को मिटाने के लिए कई अधिकारी-कर्मचारी पूरे दिन, तो कई आधे दिन की छुट्टी लेकर आराम करते रहे। इधर इन अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश पर रहने के कारण कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों के दफ्तरों से लेकर, तहसील कार्यालय एवं शिक्षा विभाग कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा।

मिलेगा मानदेय

चुनाव ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी के रूप में मानदेय दिया जाएगा। यह मानदेय पद के अनुसार अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया जाएगा। हालांकि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान कई कर्मचारियों और अधिकारियों को मानदेय अब तक नहीं मिल पाया है। जिन्हें मानदेय नहीं मिला है, ऐसे अधिकारी-कर्मचारी संकोच के कारण जिला प्रशासन के अधिकारियों से मानदेय की मांग भी नहीं कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर अधिकारियों का कहना है कि मानदेय सभी को मिल चुका है। अगर जिन्हें नहीं मिला है, तो वे आकर हमें बताएं, उन्हें भी दिया जाएगा।

प्रशासनिक प्रक्रिया से बाहर नहीं निकली पैट सीटी मशीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आंबेडकर अस्पताल प्रबंधन कर रहा स्वीकृति का इंतजार

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के बाद कैंसर प्रभावित मरीजों के बीच जांच की सुविधा को लेकर जागी उम्मीद अधूरी प्रशासनिक प्रक्रिया की वजह से पूरी नहीं हो पाई है। इस मशीन की टेस्टिंग के लिए अस्पताल प्रबंधन को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने का इंतजार है।

आंबेडकर अस्पताल में वर्ष 2018 में करीब कैंसर के मरीजों की जांच के लिए पैट सीटी मशीन एवं गामा कैमरा खरीदा था। मशीन लगाने के बाद इसका उपयोग शुरु नहीं हो पाया था और मामला विवादों में फंस गया था। कुछ माह पहले नए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मरीज हित को ध्यान में रखते हुए उक्त मशीन को पुनः शुरु करने के निर्देश दिए थे। इससे बाद लोगों को आस जागी थी कि इसका फायदा मिलेगा मगर इसके बाद मामला पुनः प्रशासनिक स्वीकृति पर जाकर अटक गया है। अस्पताल प्रबंधन मशीन को लेकर किसी भी तरह की जांच अथवा अन्य कार्य बिना प्रशासनिक सहमति के शुरु नहीं कर सकता। मशीन की सक्रियता परखने के लिए सबसे पहले उसके जांच संबंधित कंपनी के इंजीनियरों से करानी पड़ेगी। यह काम तभी शुरु हो सकता है जब शासन की ओर से इसके लिए स्वीकृति मिल सके। शासकीय स्तर पर पैट सीटी मशीन के माध्यम से जांच की सुविधा केवल एम्स में है जहां मरीजों को दो से तीन माह तक इंतजार करना पड़ता है। निजी अस्पतालों में इसके लिए मरीजों को दस हजार रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं।

एल-2 ट्रामा लंबित : रायपुर। आंबेडकर अस्पताल में गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार की सुविधा देने के लिए बनाई गई वर्षों की पुरानी एल-2 ट्रामा योजना अब ठंडे बस्ते में चला गया है। ट्रामा सेंटर का निर्माण इमरजेंसी गेट के सामने किया जाना प्रस्तावित था इसके लिए बीस से पच्चीस प्रतिशत तोड़फोड़ का काम भी किया गया था जिसे नई योजना का हवाला देकर बंद कर दिया गया था। अस्पताल प्रबंधन का फोकस 700 बिस्तर के नए अस्पताल भवन पर हैं और इसके लिए वित्त विभाग के राशि स्वीकृत होने का इंतजार है।

अगले साल टीबी उन्मूलन का लक्ष्य, अस्पतालों में दवा का टोटा, भटक रहे मरीज, केंद्र से नियमित आपूर्ति नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अगले साल तक छत्तीसगढ़ समेत पूरे भारतवर्ष को टीबी मुक्त बनाने के दावे के बीच संक्रमित मरीज दवाओं के लिए भटक रहे हैं। केंद्र से नियमित सप्लाई नहीं होने की वजह से सरकारी अस्पतालों में इसका टोटा है और कई चक्कर लगाने के बाद मरीजों को महीनेभर की दवा नहीं मिल पा रही है। टीबी नियंत्रण के लिए छह महीने तक लगातार दवाओं का सेवन करना आवश्यक है, नहीं तो इसका समाधान होना मुश्किल होता है।

हरिभूमि सरोकार

नियम के अनुसार टीबी संक्रमित मरीजों को घर के समीप स्थित स्वास्थ्य केंद्रों में संबंधित दवा की सुविधा दी जाती है। पिछले तीन महीने से दवा का स्टाक कम होने की वजह से पंजीकृत मरीजों को इसके लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार टीबी के प्राथमिक लक्षण मिलने के बाद संबंधित मरीज को 3 एफडीसी अथवा 4 एफडीसी नामक दवा निशुल्क दी जाती है। व्यवस्था सामान्य रहने के दौरान पंजीकृत संक्रमित शख्स नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में शासकीय व्यवस्था के तहत एक से दो महीने की दवा लेकर आता था, मगर अभी स्थिति बदली हुई है। संक्रमितों को विभिन्न अस्पताल के चक्कर लगाने के बाद सप्ताहभर की दवा मिल पा रही है। सूत्रों के अनुसार दवा की सप्लाई केंद्र स्तर पर की जाती है, जो पिछले कुछ समय से नियमित नहीं है। इसकी वजह से स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसकी कमी हो चुकी है, जिसका सीधा असर टीबी उन्मूलन के लिए चलाए जाने वाले अभियान पर पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है। दवा की दिक्कत छत्तीसगढ़ के साथ देश के कुछ अन्य राज्यों में भी बनी हुई है।

नियंत्रण के लिए छह महीने का कोर्स अनिवार्य नहीं तो समाधान नहीं

लूज दवाओं का उपयोग

शासकीय स्तर पर जो दवा उपलब्ध कराई जाती है, वह कई फार्मूला मिलाकर बनाई जाती है। इसकी आपूर्ति नहीं होने की वजह से मरीजों की परेशानी को ध्यान में रखकर अलग-अलग फार्मूले की लूज दवा देकर काम चलाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यह दवा मेडिकल स्टोर्स में नहीं मिलती, जिसकी वजह से परेशानी ज्यादा है। कई बार सभी लूज दवा एक साथ नहीं मिलने की वजह से मरीजों को कई स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर लगाना पड़ जाता है।

दवा की खेप मिली, जल्द समाधान

पिछले कुछ समय से टीबी संबंधित दवा की कमी के कारण दिक्कत हो रही थी। इसकी नई खेप आ चुकी है, जिसे जल्दी ही स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से मरीजों को उपलब्ध करा दिया जाएगा।
- **डॉ. अविनाश चतुर्वेदी,** जिला नोडल अफसर, क्षय नियंत्रण कार्यक्रम

इनकी परेशानी

केस-1
रायपुरा में रहने वाले परमेश साहू (परिवर्तित नाम) ने बताया कि पिता पिछले चार माह से टीबी की दवा खा रहे हैं। दवा के लिए उसे कई स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

केस-2
आरंग ब्लाक के मरीज रविंद्र (बदला नाम) ने बताया कि पहले स्वास्थ्य केंद्रों में दो महीने की दवा आराम से मिल जाती थी, मगर सप्ताहभर अथवा पंद्रह दिन के डोज के लिए भटकना पड़ता है।

केस-3
उरकुरा में रहने वाले उत्कर्ष साहू के अनुसार पहले उरला अथवा गुढ़ियारी के स्वास्थ्य केंद्र में दवा मिल जाती थी। इस बार दवा के लिए उसे कालीबाड़ी अस्पताल तक आना पड़ा।

राज्य में करीब 20 हजार मरीज

सूत्रों के अनुसार राज्य में टीबी संक्रमित पंजीकृत मरीजों की संख्या 20 हजार के आसपास है। विभागीय स्तर पर इन्हें उपचार के साथ निक्षय मित्र योजना के तहत छह महीने तक पौष्टिक भोजन के लिए फूड बैग भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रायपुर जिले में करीब छह हजार मरीज पंजीकृत हैं, जिन्हें संक्रमण मुक्त करने के लिए निशुल्क दवा उपलब्ध कराई जा रही है।

ऑफिसर कॉलोनी के वोटर भी रुचि नहीं दिखाए वोटिंग में, इसलिए 870 में 372 ने किया मतदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर लोकसभा चुनाव में इस बार शहरी क्षेत्र में वोट का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम रहा। मतदाताओं ने वोट करने में ज्यादा रूची नहीं दिखाई। इनमें देवेंद्र नगर ऑफिसर कालोनी के वोटर भी शामिल है। इस कालोनी में 870 वीआईपी वोटर है, लेकिन इनमें से महज 372 ही वोटर वोट देने पहुंचे थे। इससे पता चला कि शहर में चाहे ऑफिसर कालोनी हो या फिर आम लोगों की कालोनी। वोट देने के लिए मतदाता बहुत कम निकले।

विदित हो कि जिले में मतदान शुरू होते ही सुबह से प्रशासन के अधिकारी वोटिंग करके अपने फोटो सोशल मीडिया में शेयर करने लगे थे, जिससे आम वोटर मतदान करने के लिए प्रेरित हों, लेकिन देवेंद्र नगर ऑफिसर्स कॉलोनी के लोग इससे ज्यादा प्रेरित नहीं हुए। यहां के वोटरों के लिए आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया था। इसमें सुबह 8 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक सिर्फ 372 वोटर ही पहुंचे। इससे पहले विधानसभा चुनाव के दौरान भी यहां सिर्फ 354 वोटर ही पहुंचे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि ग्रामीण और बस्ती इलाकों के पोलिंग बूथों में वोटिंग का प्रतिशत 80 फीसदी तक रहा है। दूसरी ओर आईएएस और आईपीएस रैंक के अधिकारी व उनके परिवार जहां रहते हैं, वहां 46 प्रतिशत ही मतदान हुआ है।

एक अभियान में बताया था कि शहर में 6 लाख से ज्यादा लोग वोटिंग करने नहीं पहुंचते। इनमें शिक्षित वर्ग के मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। देवेंद्र नगर ऑफिसर्स कॉलोनी में ऐसे अधिकारी निवास करते हैं जिन्हें वोटिंग कराने का जिम्मा मिला था। इसके बाद भी अधिकतर अधिकारी वोटिंग करने के लिए नहीं निकले।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 9 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

मोर पुतरी-पुतरा के बिहाव होवत हे, ...

कैंपस इवेंट

विदाई में नम हुईं आंखें यादों ने किया भाव-विभोर

रायपुर। मैट्स यूनिवर्सिटी के हिन्दी विभाग के बीए एवं एमए विद्यार्थियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में कनिष्ठ विद्यार्थियों ने वरिष्ठ विद्यार्थियों को उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी यादें ताजा की और अपने अनुभव बांटकर इसे अपने जीवन का सबसे यादगार क्षण बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी एवं अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विदाई समारोह को यादगार बनाया।

रोचक खेलों के बाद दिए गए टाइटल्स

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही कई तरह के खेल भी रखे गए। लड़के और लड़कियों को विविध टाइटल दिए गए। शुभारंभ दीप प्रज्ज्वनल के साथ किया गया। मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया, कुलपति प्रो.केपी यादव और कुलसचिव गोकुलानंदा पंडा ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमा अंसारी, डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. रमणी चंद्राकर, डॉ. सुनीता तिवारी, प्रियंका गोस्वामी सहित अनेक संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

● 10वीं-12वीं के परिणाम आज, परीक्षा से एक दिन पहले छात्रों ने हेल्पलाइन पर बांटी चिंताएं

प्यारे बच्चो... आपका भविष्य निर्धारित नहीं कर सकता कागज का एक टुकड़ा, योग्यता का मापदंड सिर्फ बोर्ड परीक्षाओं के अंक नहीं

फोन करने वाले अधिकतर छात्र तनाव में रहे। सबके मन में ये ही डर था कि यदि उन्हें अच्छे अंक नहीं मिले तो पालक उनसे बात नहीं करेंगे अथवा भाई-बहनों से उनकी तुलना की जाएगी। कई बच्चों ने घर से भाग जाने सहित अन्य तरह की चिंताएं व्यक्त की। इस पर उन्हें समझाते हुए हेल्पलाइन में मौजूद विशेषज्ञों द्वारा कहा गया कि कागज का एक टुकड़ा उनका भविष्य तय नहीं कर सकता है। यदि अंक कम आएं हैं तो वे अपने पालकों को समझाएं कि आगे उनके द्वारा भरपूर मेहनत की जाएगी और वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पालकों को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों पर विश्वास रखें। बुधवार क 200 से अधिक छात्रों ने अपने समस्याएं साझा की। शहर सहित रायगढ़, छुरा, जांजगीर-चांपा, भाटापारा, तिल्दा, सुरजपुर, बिलासपुर, दुर्ग जैसे अनेक स्थानों से कॉल आए।

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं तथा 12वीं दोनों परीक्षाओं के परिणाम तैयार किए जा चुके हैं। गुरुवार को इनके परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। मंडल अपने आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा परिणामों की घोषणा करेगा। नतीजे जारी होने के पहले तक छात्रों में तनाव देखा जा रहा है। बुधवार को परिणाम जारी होने के एक दिन पहले माशिम की हेल्पलाइन पर थोक में फोन कॉल्स आए।

बुधवार को पूछे गए इस तरह के सवाल

सवाल- बारहवीं कक्षा के बाद मैं क्या करुं?

जवाब- आप अपने चयनित विषय अनुसार आगे की पढ़ाई कर सकते हैं। जिस में रुचि हो, उससे जुड़े पाठ्यक्रम को चुनें।

सवाल- दसवीं के बाद ग्याहवीं में किस विषय का चयन करुं, भविष्य में किस विभाग में जा सकते हैं?

जवाब- यदि आप अपने मनपसंद कार्य का चयन कर चुके हैं तो उसके अनुसार विषय लें। जिस विषय में आपकी रुचि अधिक है, उसका चयन करें। सभी विषय महत्वपूर्ण होते हैं। आप अपनी योग्यता से किसी भी विभाग में जा सकते हैं।

सवाल-विषय के अनुसार मुझे कौन से कॉलेज में दाखिला लेना चाहिए?

जवाब-यदि आपको मनपसंद विश्वविद्यालय में दाखिला लेना है, तो उसके लिए अच्छे अंक का होना आवश्यक है। पत्रकारिता, नर्सिंग, इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न कोर्स के लिए अनेक विश्वविद्यालय मौजूद हैं। इनके लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी भी प्राप्त कर लें।

सवाल-परीक्षा तनाव के चलते घर से भागने का मन कर रहा है।

जवाब-परीक्षा परिणाम को लेकर तनाव लेने की आवश्यकता ही नहीं है। आपने जैसे प्रश्नों का उत्तर लिखा है, उसके अनुसार आपको नंबर दिए जाएंगे। यदि आपको नंबर कम लगे या फिर आप असफल हो जाएं तो माता-पिता को समझाएं और उन्हें विश्वास दिलाएं कि अगले साल आप इससे बेहतर परिणाम लाएंगे।

सवाल-नबंर कम आया तो मम्मी-पापा चिल्लाएंगे, मुझे डर लग रहा है।

जवाब-डरने की कोई बात नहीं है। कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जब आप समय पर पढ़ाई नहीं करते और अधिक समय मोबाइन स्क्रीन पर समय बिताते हैं, तब माता-पिता आपके हित के लिए आपको पढ़ाई करने कहते हैं। वह आपके लिए अच्छा सोचते हैं, इसलिए वह आपके भविष्य की चिंता करते हैं। परीक्षा में असफल होने पर यह परिणाम आपका भविष्य निर्धारित नहीं करता। आपको डरने की आवश्यकता नहीं है।

सवाल-घर में बड़े भाई-बहन के अच्छे नंबर आए हैं। यदि मेरे अच्छे अंक नहीं आए तो क्या होगा, यह सोचकर मैं तनाव में हूं।

जवाब- यदि आपने परीक्षा में पूछे गए सभी प्रश्नों को अच्छे से हल किया था, तो आपको तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है। आपके भी अच्छे अंक आएंगे। परीक्षा परिणाम को लेकर तनाव ना लें।

सवाल-यूपीएससी के लिए क्या करना होता है?

जवाब- यूपीएससी की तैयारी करने के लिए सबसे पहले आप 12वीं पास करें। फिर किसी भी विषय में ग्रेज्यूएशन पूर्ण करें। जिसके साथ-साथ आप परीक्षा की तैयार करते चलें।

सवाल- परीक्षा में कुछ प्रश्नों के उत्तर अपने मन से लिखे हैं, मुझे नंबर मिलेंगे या नहीं?

जवाब- उदाहरण के तौर पर जब आपसे आपका नाम पूछा जाए और आपने अपने निवास का पता लिखा हो, उस स्थिति में आपको नंबर नहीं मिल सकते। यदि आपके प्रश्न के अनुसार उत्तर लिखा होगा तो आपको जरुर नंबर दिया जाएगा।

सवाल-सभी विषयों की परीक्षा अच्छे से गई, लेकिन संस्कृत विषय में डर लग रहा। अगर मैं फेल हो गया तो?

जवाब-जब आपने सभी विषयों की तैयारी अच्छे से की है तो संस्कृत विषय में भी आपके अच्छा नबंर ही आएंगे। यदि आप उस विषय में असफल हो जाएं तो दोबारा परीक्षा दिला सकते हैं।

सिटी इवेंट

इंटरनेट पर रिलीज करते ही भूलन को एक मिलियन व्यू, विदेशी दर्शक भी

रायपुर। छत्तीसगढ़ी सिनेमा व इसके गीत-संगीत को अब राज्य ही नहीं बल्कि देश-विदेश में रहने वाले लोगों से भी रिस्पॉन्स मिलने लगा है। आलम यह है कि सालभर पहले बॉक्स आफिस पर धूम मचाने वाली छत्तीसगढ़ी मूवी 'भूलनः द मेज' को यूट्यूब पर अपलोड करने के बाद 25 दिनों में ही एक मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इनमें विदेशी दर्शक भी शामिल हैं। मोर छईहा भुईंया से छत्तीसगढ़ी सिनेमा को पहचान दिलाने वाले निर्माता-निर्देशक सतीश जैन की मोर छईहा भुईंया-2 रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के गीत मया के मौसम... को 9 दिन पहले ही यूट्यूब पर अपलोड किया गया है। इसे अभी तक 2 मिलियन लोगों ने देखा है। इसे संगीत प्रेमियों द्वारा खासा पसंद किया जा रहा है। इसके लिए सक्सेस पार्टी का दौर शुरु हो गया है। माना जा रहा कि फिल्म रुपहले पर्दे पर भी धूम मचाएगी।

नेशनल अवार्ड के बाद बढ़ा क्रेज

भूलन दे मेज के डायरेक्टर मनोज वर्मा ने बताया, यह फिल्म राइटर संजीव बख्शी की किताब भूलन कांदा पर आधारित है। 2022 में रिलीज हुई फिल्म में पिपली लाइव फेल स्थानीय कलाकार ओंकार दास मानिकपुरी और अनीमा पगारे ने मुख्य किरदार निभाया है। यह छत्तीसगढ़ की पहली नेशनल अवार्ड विनिंग मूवी है । इसे 9 दिन पहले ही यूट्यूब पर अपलोड किया गया। इसे लोगों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

कसडोल व तिल्दा की हसी...

मोर छईहा भुईंया -2 को लेकर सतीश जैन ने बताया कि जिस गाने को यूट्यूब पर देश-विदेश के 2 मिलियन लोगों ने रिस्पॉन्स दिया है,

उसकी शूटिंग कसडोल जिले के जोक नदी और शिवरीनारायण की हसीन वादियों में हुई है। कुछ हिस्से तिल्दा के पास एक गांव में सरसो के खेत में भी शूट हुए हैं। मन कुरैशी व दीक्षा जायसवाल ने इस फिल्म में नायक-नायिका का किरदार निभाया है। मया के मौसम...गीत पर वे लोगों को आकर्षित करने में सफल भी हुए हैं। इसके कोरियोग्राफर व म्यूजिक डायरेक्टर चंदन दीप तथा गायक सुनील तिवारी व कंचन जोशी ने भी सौ प्रतिशत दिया है।

यूपीएससी ने जारी किए वन सेवा परीक्षा के नतीजे, प्रदेश की प्रीति को 63वां रैंक

रायपुर। यूपीएससी द्वारा भारतीय वन सेवा परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बीते वर्ष 26 नवंबर से 3 दिसंबर तक लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 22 अप्रैल से एक मई लिया गया। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए हुए साक्षात्कारों के परिणाम के आधार पर योग्यताक्रम में उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है। विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत नियुक्ति करने के लिए 147 उम्मीदवारों की अनुशंसा की गई है। प्रदेश के कैंडिडेट्स ने भी इसमें जगह बनाने में सफलता हासिल की है। भारतीय वन सेवा परीक्षा में गीदम की प्रीति को 63वां रैंक हासिल हुआ है। मात्र 23 वर्ष की उम्र में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी है।

कठिनाइयों के बाद भी पढ़ाई

महानगरों की तरह सुविधाएं नहीं होने के बाद भी प्रीति बचपन से ही पढ़ाई में डटी रहीं। यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय वन सेवा परीक्षा 2024 में गीदम की प्रीति यादव के 63 रैंक लाकर आईएफएस बनने पर जिले के विधायक चैतराम अटामी एवं डीएफओ डॉक्टर जाधव सागर ने उन्हें एवं उनके परिवार को बधाई दी है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विधायक ने कहा, प्रीति ने सिर्फ गीदम का नहीं अपितु पूरे जिले का नाम रोशन किया है। दंतेवाड़ा जिले के व्यापारिक नगरी कहे जाने वाला गीदम नगर अब शिक्षा के क्षेत्र मे भी नए-नए कीर्तिमान रच रहा है।

किराए के घर में रहकर पढ़ाया बेटी को

प्रीति ने बताया कि वे अपना आदर्श अपने माता-पिता को मानती हैं। उनके पिता बालमुकुंद यादव मंडी सब इंस्पेक्टर हैं। माता-पिता ने उनकी पढ़ाई में हरसंभव मदद की। वे कहती हैं, अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए आज तक घर भी नहीं बना पाए। किराए के मकान में रहकर अपनी बेटी के भविष्य के लिए लगे रहे। एक-एक पैसे जोड़कर मुझे पढ़ाया और दिल्ली भेजा। प्रीति की बड़ी बहन प्रियंका यादव वर्तमान में एक स्कूल में शिक्षारत हैं। भविष्य में लेक्चरर बनने का सपना लिए वे भी पढ़ाई कर रही हैं।

श्रद्धा के बिना नष्ट हो जाता है यज्ञ

रायपुर। अनुपम नगर में आयोजित शिव पुराण में दिव्य अमृतमयी कथा का व्याख्यान करते हुए डॉ. इन्दुभवानन्द महाराज ने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के बिना यज्ञ पूर्ण नहीं होता है। पराम्बा भगवती पार्वती साक्षात श्रद्धा रूप है। वहीं भगवान शिव विश्वास स्वरूप हैं। भगवान शिव और माता पार्वती के बिना यज्ञ कभी पूर्ण नहीं हो सकता है। वह यज्ञ स्वयं नष्ट हो जाता है, जिसमें भगवान शंकर व माता पार्वती का पूजन नहीं होता है। भगवान शंकर स्वयं यज्ञ के फल को प्रदान करने वाले हैं। यज्ञ सहित अन्य सकल कर्म तो अचेतन हैं, वे स्वयं फल नहीं दे सकते हैं। उनके फलों के दाता के रूप में एकमात्र भगवान शंकर हैं। वे ही फल देते हैं, इसलिए वह सर्वज्ञ और सर्व शक्तिमान माने जाते हैं। दक्ष शिव का अपमान करके यज्ञ का फल प्राप्त नहीं कर सकते हैं। अंततः दक्ष को शिव की कृपा से ही यज्ञ का फल प्राप्त हुआ। उन्होंने कथा का विस्तार करते हुए गुणनिधि कुबेर की कथा पर भी प्रकाश डाला तथा पार्वती जन्म प्रसंग भी दर्शकों के सामने रखी। कथा के पूर्व यजमानों ने पोथी का पूजन कर आरती की।

कार्नर न्यूज

गूगल के प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर पर रहेगा उपलब्ध

रविवि एप में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगा पुस्तकें और जर्नल ग्रंथालय में उपलब्ध किताबों की जानकारी भी एक क्लिक पर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा अपने छात्रों को अब ऑनलाइन किताबें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए छात्रों को किसी वेबसाइट पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी बल्कि वे इसके लिए एप डाउनलोड कर सकेंगे। इस एप पर छात्रों को रविवि द्वारा उपलब्ध कराई जा रही किताबों की जानकारी मिल सकेगी।

भटकने की जरूरत नहीं

इसके साथ ही सभी उपयोगकर्ताओं के लिए ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों तथा पत्र-पत्रिकाओं की जानकारी इस एप के माध्यम से उपलब्ध रहेगी। छात्रों को इस एप के माध्यम से यह ज्ञात हो सकेगा कि रविवि के ग्रंथालय में कौन-कौन सी किताबें उपलब्ध हैं। इससे छात्रों को किताबें ढूंढने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। शोध कार्य करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न लेखकों की किताबों की आवश्यकता होती है। सभी जानकारी एक एप पर उपलब्ध होने से छात्रों को अब भटकना नहीं पड़ेगा। बड़ी संख्या में किताबें उन्हें एप में मिल जाएंगी तथा उन किताबों का ब्योरा भी उनके पास होगा, जिनका अध्ययन वे ऑफलाइन मोड में कर सकते हैं।

रायपुर। एप में किताबें होने के कारण छात्रों को वेबसाइट ना खुलने तथा अन्य तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। विद्यार्थी आसानी से किताबें पढ़ सकेंगे।

रविवि में अध्ययरत तथ पूर्व छात्रों द्वारा मिलकर यह ऑनलाइन लाइब्रेरी एप विकसित की गई है। इस एप को PRSU Library नाम दिया गया है। यह एप गूगल के प्ले स्टोर एवं एप्पल एप स्टोर पर उपलब्ध है। छात्र यहां से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। विभिन्न कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अलावा शोध छात्रों एवं शिक्षकों के लिए भी यह उपलब्ध रहेगा। छात्रों को ई-जर्नल, ई-बुक्स, शोधगंगा सहित अन्य संसाधनों का उपयोग करने में इससे सुविधा उपलब्ध होगी।

पहली बार इस तरह की प्रयोग

रविवि ने ई-लाइब्रेरी का कॉन्सेप्ट पहले ही अपनाया हुआ है। इसके अंतर्गत रविवि की आधिकारिक वेबसाइट पर ई-लाइब्रेरी के अंतर्गत कई जर्नल और किताबें मौजूद हैं। लेकिन एप बनाकर छात्रों को इस तरह की सुविधाएं पहली बार दी जा रही हैं। रविवि प्रबंधन के मुताबिक, छात्रों को इससे फायदा होगा तथा किताबों के अध्ययन में सहायता मिलेगी।

वीडियो लेक्चर लाइब्रेरी भी

रविवि की वेबसाइट पर वीडियो लेक्चर लाइब्रेरी भी बनाई गई है। इसमें प्राध्यापकों के क्लासरूम लेक्चर मौजूद हैं। विषयवार इसमें वीडियो मौजूद हैं। रविवि से संबद्ध महाविद्यालय के छात्रों को भी अध्ययनशाला के प्राध्यापकों के अनुभव का लाभ मिल सके, इसलिए यह व्यवस्था कई वर्षों पूर्व रविवि प्रबंधन ने की थी। इसके अतिरिक्त रविवि की ई-लाइब्रेरी में विवि के प्रकाशन के अलावा जर्नर, डाटाबेस, ई-थिसिस जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं, जिनका लाभ छात्र निशुल्क रूप से उठा सकते हैं।

समर कैंप

मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है सड़क दुर्घटना

रायपुर। चौबे कालोनी में आयोजित समर कैंप में यातायात नियमों की जानकारी के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित किया गया। यातायात नियमों की नियमित जानकारी के लिए यातायात प्रशिक्षक टीके भोई को आमंत्रित किया गया, जिनके द्वारा प्रत्येक नियमों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, प्रत्येक व्यक्ति को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। यह नियम हमारे जीवन रक्षा के लिए बनाए गए हैं। कभी भी शॉर्टकट के चक्कर में अपनी जान को जोखिम में नहीं डालना चाहिए।

... तो कम हो जाती है दुर्घटनाओं की संभावनाएं

विशेषज्ञों ने कहा, अधिकतर दुर्घटनाएं चालक की लापरवाही के कारण होती हैं। जब चालक यातायात नियमों का पालन करता है तो दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती हैं। इस दौरान बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से यातायात संकेतों की जानकारी दी गई। साथ ही सड़क पर लगे विभिन्न चिन्हों का अर्थ भी बताया गया। छात्रों को बताया गया कि सड़क पार करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग का ही उपयोग करना चाहिए। लोगों की मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण सड़क दुर्घटना है। इस मौके पर समर कैंप एवं विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे।

सोशल इवेंट

राहगीरों को राहत देने बांटे मठा बताए गर्मी से बचने के टिप्स

रायपुर। बढ़ती गर्मी को देखते हुए शहर में सामाजिक संस्थाओं द्वारा कई तरह के प्रयास किए जा रह हैं। इसमें जानवरों और बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना, सकोरा बांटना जैसे कार्य शामिल हैं। कई संस्थाओं द्वारा शहर में कई स्थानों पर प्याऊ घर खोले गए हैं तो वहीं कई संस्थाओं द्वारा राहगीरों को मठा, शरबत आदि वितरित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में श्री छत्तीसगढ़ लोहाणा महिला मंडल द्वारा बुधवार को भारी गर्मी से राहत दिलाने के लिए राहगीरों को छाछ वितरण किया गया। महिला मंडल द्वारा बूढ़ापारा स्थित बिजली ऑफिस चौक में यह वितरण कार्य किया गया था।

2 हजार पैकेट वितरित

महिला मंडल द्वारा प्रतिष्ठित कंपनी के छाछ के लगभग 2000 पैकेट वितरित किए गए। गुजरने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए टिप्स भी दिए गए। गर्मी से बचने छाता, चश्मा और स्कार्फ का प्रयोग करने कहा गया। इस दौरान मंडल की अध्यक्षा रेखा रायचुरा, पुष्पा वर्मा, ज्योतिका मजेठिया, इंदिरा मजेठिया, नेहा माणेक, पदमा मिराणी, योगिता पुजारा सहित अन्य शामिल रहे। महिला सदस्यों ने आगे भी लोगों को गर्मी से बचाने राहत कार्य जारी रखने का संकल्प लिया गया।

सिटी इवेंट

जरूरतमंदों की जान बचाने रेडक्रॉस दिवस पर रक्तदान

रायपुर। 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवा का संचालन करने वाली संस्था जेएईएस द्वारा रेडक्रॉस डे पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विश्व रेड क्रॉस डे के अवसर पर 14 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर 108 के प्रोजेक्ट हेड डॉ.अनीश कुरियन ने कहा, रक्तदान कर हम किसी जरूरतमंद की जान बचाने का नेक कार्य करते हैं। रक्तदान करने वाले सभी लोगों को इस पुण्यकार्य के लिए प्रशस्ति पत्र के माध्यम से सम्मानित भी किया गया। उक्त रक्तदान शिविर का आयोजन जेएईएस के साथ मानव सेवा ब्लड बैंक सेंटर की भी सहभागिता रही।

युवा रहे आगे

संस्था द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में युवाओं की संख्या अधिक रही। संस्था से जुड़े लोगों ने भी रक्तदान किया। आम लोगों को भी इसके लिए प्रेरित किया गया। रक्तदान करने पहुंचे युवाओं ने कहा, दुर्घटना अथवा बीमारी के समय में लोगों को रक्त की आवश्यकता होती है। उन्हें मदद के लिए भटकना ना पड़े, इसके लिए जरूरी है कि सभी सामने आएं। यदि प्रत्येक रक्तदान करे तो इस संकट को दूर किया जा सकता है। रेडक्रॉस की उपलब्धियों और उसके इतिहास से भी इस दौरान परिचित कराया गया।

'अक्ती तिहार' से पहले सजा बाजार, बच्चे खरीद रहे विवाह सामग्री

पुतरा-पुतरी के बिहाव... ट्रेंड में सांचे में ढली मूर्तियां

> पुतरा-पुतरी का विवाह अक्षय तृतीया के दिन किया जाता है। यह विवाह मिट्टी से बने गुड्डे-गुड़ियों का किया जाता है, जिसमें केवल बच्चे ही सभी रस्मों को निभाते हैं। इस वर्ष 10 मई को यह पर्व मनाया जाएगा। मान्यता के अनुसार इस दिन दान करना शुभ होता है। वहीं शादी के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यह परंपरा बीते कई सालों से चलते आ रही है, जिसमें घर के छोटे बच्चे बाजारों से मिट्टी से निर्मित गुड्डे-गुडियां लेकर आते हैं। इसमें छत्तीसगढ़ी रीति-रिवाज के साथ विवाह की प्रत्येक रस्म की जाती है, जिसमें वर-वधू पक्ष अलग-अलग रस्म निभाते हैं। शुक्रवार को सुबह से देर रात तक विभिन्न मांगलिक कार्य किए जाएंगे, जिसमें चुलमाटी, हल्दी, मेहंदी, संगीत, बारात, विवाह और टीका शामिल है। ग्रामीण क्षेत्रों में शादी के दौरान बाजा की व्यवस्था भी की जाती है।

कपड़े और कागज से सजी मूर्तियां

महामाया मंदिर रोड में दुकान लगाने वाले राकेश ढीमर ने बताया, हमारी दुकान पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही है। कुछ साल पहले लकड़ी, मिट्टी, कपड़ा और डिजाइनर कागज से तैयार पुतरा-पुतरी बनाया जाता था। वर्तमान में सांचे से बनी हुई मूर्ति लाई जाती है। दुकान में आमापारा और रायपुरा के कुम्हारों द्वारा बनाई गई मूर्ति सजाई गई है।

इसकी कीमत 40 रुपए से 120 रुपए तक है। दुकान में माउर, पर्रा और छोटी मटकी भी रखी गई है। मटकी को रंग और चमकते धागों से सजाया गया है। हमारी दुकान में सालों पहले बनने वाले मूर्तियों को भी लाया गया है। कुछ लोग आज भी उन्हें खरीदना पसंद करते हैं। इन मूर्तियों से स्वंय तैयार किया जाता है, जिन खरीदारों के पास वक्त नहीं होता वे सजी हुई मूर्ति खरीदना पसंद करते हैं।

सुबह 4.17 को प्रारंभ होगी तृतीया तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी। तृतीया तिथि का समापन 10 मई की मध्यरात्रि के बाद 11 मई को 2 बजकर 50 मिनट पर होगा। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 48 मिनट से दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इस दिन मंदिर में दान करने के साथ ही जरुरतमंद व्यक्ति को दान करना शुभ होता है।

छोटे बच्चों में बढ़ा चलन

पुरानी बस्ती स्थित दुकान संचालक अंजली तंबोली ने बताया, अक्ती पर्व के अनुसार गुड्डे-गुड़ियों की मूर्ति और शादी में उपयोगी समान लाए गए हैं। बच्चों की पसंद के अनुसार रंग-बिरंगी गुड्डे-गुड़ियां लेकर आए हैं। छोटे बच्चों को रंग-बिरंगी और आकर्षक गुड्डे-गुड़ियां अधिक भाते हैं। उनके अनुसार ही बाजार सजाया गया है। छोटे बच्चों में इसे लेकर चलन बढ़ा है।

100 रुपए में रेडीमेड मंडप

गोल बाजार स्थित एक दुकान की संचालिका कामनी चन्द्राकर ने बताया, बीते 15 सालों से हमारा परिवार मिट्टी के बर्तन एवं गुड्डा-गुड्डी बना रहे हैं। इस वर्ष शादी के लिए रेडीमेड मंडप तैयार किया गया, जिसकी कीमत 100 रुपए है। खरीदार मूर्तियों की बनावट से आकर्षित होते हैं। यदि किसी मूर्ति की बनावट अच्छी है तो उसे लोग पहले खरीदना पसंद करते हैं। दुकान में चुकिया, मंडप सामग्री, मूर्ति और दीया है, जिसकी कीमत 10 रुपए से 100 रुपए तक है।

आमंत्रण के लिए पीला चावल

शादी से पूर्व बच्चे अपने घर के नजदीक प्रत्येक व्यक्ति को आमंत्रण देने पहुंचते हैं। जिसके लिए वह हल्दी और चावल का उपयोग करते हैं। अक्षय तृतीया के पूर्व ही बच्चों ने अपने करीबियों को न्योता देने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। बीते कुछ वर्षों में स्थानीय पर्व को लेकर लोगों को रुझान बढ़ा है। ऐसे में इस पर्व को लेकर भी बच्चों में उत्साह देखा जा रहा है।

पूजा पंडाल के समीप सजा मीना बाजार

निन्देश्वरी देवी स्वरूप में दिए दर्शन खड़गपुर के पुजारी कर रहे हैं श्रृंगार

रायपुर। डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में नौ दिवसीय श्री श्री शोलापुरी माता पूजा महोत्सव के लिए सजे पंडाल की जगमगाहट को बनाए रखने के लिए चंदन (पश्चिम बंगाल) से आए हुनरमंदों द्वारा ऑपरेट किया जा रहा है। सुबह और शाम को होने वाली पूजा में भक्तों का सैलाब भी उमड़ने लगा है। पूजा महोत्सव में बुधवार को महोत्सव के पांचवें दिन शाम की आरती में शामिल हुए भक्तों को शोलापुरी माता ने निन्देश्वरी देवी स्वरूप में दर्शन दिया। जैसे-जैसे महोत्सव की श्रृंखला आगे बढ़ रही है, लोगों का हुजूम पंडाल में बढ़ने लगा है। इसमें हर वर्ग के लोगों को भक्ति के साथ ही उत्सव का माहौल देने के लिए मीना बाजार भी सजाया गया है। इसमें ड्रैगन, हवाई झूला संग नाव भी सजा है। इसमें हर वर्ग के लोग लुत्फ उठा रहे हैं। पंडाल क्षेत्र में भीड़ भी उमड़ने लगी है।

पारंपरिक तरीके से तैयार होता है भोग-प्रसादी

पूजा समिति के अध्यक्ष एम.साई व महासचिव सत्यम दुआ ने बताया, बुधवार को बाल पुजारियों ने माता की सेवा करते हुए भक्तों को नियम का पालन करते हुए दर्शन का अवसर दिया। इसमें शामिल होने वाले 25 हजार से ज्यादा भक्तों को पारंपरिक तरीके से तैयार किए जाने वाले भोग प्रसादी का वितरण किया जाता है। माताजी के श्रृंगार व पूजा के लिए पश्चिम बंगाल के खड़गपुर से आए पुजारी पी. मोहन राव एवं 7 सहयोगीयों की टीम द्वारा पूजा विधि करवाई जाती है। इनके द्वारा ही पंडाल में रोज माता को नए स्वरुप में दर्शन के लिए श्रृंगार किया जाता है।

हाट बाजार में खान-पान

इस बार पूजा पंडाल में जैसे-जैसे आरती का समय नजदीक आता है, वैसे ही लोगों की भीड़ बढ़ने लगती है। शाम साढ़े 6 से 7 के बीच पंडाल में भक्तों की सैलाब उमड़ता है। माता का दर्शन लाभ लेने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए इस बार पंडाल क्षेत्र में लगाए गए हाट बाजार में लोगों के लिए खान-पान के लिए स्टॉल भी सजाए गए हैं। घर में उपयोग के लिए कई जरूरी सामान भी स्टॉल में लोगों द्वारा सजाए गए हैं। लोगों एक ही जगह पर आस्था के साथ ही मनोरंजन के लिए भी माहौल मिल रहा है। इसमें बच्चों के लिए कई तरह के झूले सजे हैं।

भाषा विज्ञान के नतीजे घोषित 100% रहे रविवि के परिणाम

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा भाषा विज्ञान के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। प्रथम तथा अंतिम दोनों ही वर्ष के नतीजे सौ फीसदी रहे हैं। प्रथम वर्ष की परीक्षा में मात्र 3 छात्र ही शामिल हुए थे। वहीं अंतिम वर्ष की परीक्षा में 6 छात्र उपस्थित रहे। दोनों ही कक्षाओं में सभी छात्र उत्तीर्ण रहे। रविवि ने परिणाम अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। छात्र निर्धारित अवधि में पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकेंगे।

- *प्रथम वर्ष की परीक्षा में 3 तथा अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल हुए थे 6 छात्र*

क्लैट के लिए शेड्यूल जारी

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) की तैयारियों में लगे उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से क्लैट के लिए एग्जाम शेड्यूल की घोषणा कर दी गई है। यह जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट consortiumofnlus.ac.in पर नोटिफिकेशन जारी कर प्रदान की गई है। अधिसूचना के मुताबिक क्लैट का आयोजन एक दिसंबर को किया जाएगा। एग्जाम की टाइमिंग दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक रहेगी। अन्य डिटेल जैसे एप्लीकेशन, सिलेबस एवं काउंसिलिंग के लिए डेट्स की जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

सामान्य वर्ग को देने होंगे 4 हजार रुपए

अभी तक कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट के लिए आवेदन तिथियों को घोषित नहीं किया गया है। सूत्रों मुताबिक, इस एग्जाम के लिए आवेदन प्रक्रिया जुलाई माह में शुरू हो सकती है। आवेदन शुरू होने के बाद अभ्यर्थी इसमें शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भर सकेंगे। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों को 4000 रुपए जमा करना होगा। इसके अलावा एससी, एसटी वर्ग एवं बीपीएल कैटेगरी से आने वाले उम्मीदवारों को 3500 रुपए जमा करने होंगे। इस एग्जाम से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर समय-समय पर विजिट कर सकते हैं।

डंगनिया स्थित परशुराम मंदिर में उत्सव की श्रृंखला में सजा कवियों का मंच

कार्नर न्यूज

योगा में एक से बढ़कर एक आसन होता है, मगर नेता को सबसे प्रिय सिंहासन होता है!

रायपुर। अल्प विराम में कटी जिंदगी... लग सकता है पूर्ण विराम, इसलिए लिख दी वसीयत छत्तीसगढ़ के नाम.., इन पंक्तियों को मंच पर अनोखे अंदाज में पद्मश्री डा. सुरेन्द्र दुबे ने प्रस्तुत किया। डंगनिया स्थित परशुराम मंदिर में पांच दिवसीय आयोजन की श्रृंखला में बुधवार की रात शुरु हुए विराट कवि सम्मेलन का लुत्फ उठाने के लिए भारी तादाद में श्रोता मौजूद थे। इसमें राज्य के अलग-अलग क्षेत्र से आए जाने-माने कवियों के बीच पद्मश्री डॉ. दुबे ने हास्य-परिहास के माहौल में गंभीर रचनाएं भी पढ़ी। यह दौर जैसे-जैसे आगे बढ़ा कवियों की रचनाओं में लोग रमते गए।

जो बिगड़ा था वो सारा परिवेश बदलकर रख डाला, एक वोट की ताकत ने ये देश बदलकर रख डाला... को अपने अंदाज में पढ़ते हुए मयंक शर्मा ने भी लोगों से वाहवाही लूटी। वहीं योगा में एक से बढ़कर एक आसन होता है, मगर नेता को सबसे प्रिय सिंहासन होता है... की प्रस्तुति देते हुए सुनील पांडे ने लोगों को गुदगुदने का भी प्रयास किया।

पिता के चरणों में धाम

चलते चलो जी सब की रफ्तार जिंदगी है, थम गए तो समझो बेकार जिंदगी है... को सुरीले अंदाज में निशा तिवारी ने लोगों के बीच सुनाते हुए लोगों में उत्साह भरने का काम किया। इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए कवि रामानंद त्रिपाठी ने माता-पिता के चरणों में मिलता है चारों धाम... से लोगों को भक्तिभाव से जोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके बाद मंच पर आए किशोर कुमार तिवारी ने बेर शबरी के सारे थे जूठे... की प्रस्तुति से लोगों को शबरी के प्रेम का एहसास कराया।

आज रात पंडवानी प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील ब्राह्मण समाज आयोजित किए जा रहे भगवान परशुराम जन्मोत्सव की श्रृंखला में विधि-विधान से आराध्य देव की पूजा-अर्चना के साथ ही लगातार 5 दिनों तक उत्सव की श्रृंखला सजेगी। संगठन प्रमुख एवं अध्यक्ष शिवांजल शर्मा ने बताया, गुरुवार शाम 7 बजे से पंडवानी के लिए मंच सजेगा। इसमें बालोद के जाने-माने पंडवानी के कलाकार दुष्यंत द्विवेदी एवं उनके साथियों द्वारा महाभारत से जुड़े कथा प्रसंगों को पारंपरिक अंदाज में पेश किया जाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

मिशन घर-घर शतरंज, हर घर शतरंज चलाएगा एआईसीएफ

रायपुर। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने देश भर में शतरंज के विकास के लिए 65 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने इस आशय की घोषणा एक बैठक के उपरांत की, जिसमें देश भर में शतरंज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया। एआईसीएफ के उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ अध्यक्ष राघवेंद्र सिंघानिया ने बताया कि इस बजट के अंतर्गत तीन वर्षों में राज्य संघों को 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी का अनुबंध शुरू करने की योजना के लिए 2 करोड़ रूपए के प्रावधान से शतरंज को देश भर में प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि संगठन का मिशन ₹घर-घर शतरंज-हर घर शतरंज₹ के आदर्श वाक्य के साथ शतरंज को हर घर तक पहुंचाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बजट से देश के विभिन्न राज्यों के शतरंज खिलाड़ियों को एक नई गति मिलेगी ।

उन्होंने बताया एआईसीएफ की बैठक में तय किया गया कि अंडर-7 से अंडर-19 आयु वर्ग के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को दो साल के अनुबंध की पेशकश की जाएगी, जिसमें संबंधित श्रेणियों के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से धनराशि वितरित की जाएगी। इसके अलावा, शीर्ष 20 फिडे-रेटेड भारतीय शतरंज खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, शीर्ष पांच पुरुष और महिला खिलाड़ियों में से प्रत्येक को 25,00,000 रुपये मिलेंगे, और 6 वें से 10 वें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को 12,50,000 रुपये दिए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में एआईसीएफ के नए अध्यक्ष नितिन नारंग जी, राघवेंद्र सिंघानिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं विनोद राठी महासचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के साथ ही सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

एलिट ग्रुप क्रिकेट में बिलासपुर, बीएसपी और राजनांदगांव की बढ़त

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा अंडर

19 एलिट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट टुर्नामेंट 2024 का आयोजन बुधवार से शुरू हुआ है। जिसमें छत्तीसगढ़ की विभिन्न 10 टीमें दो ग्रुप में विभाजित की गई है। प्रथम दिवस ग्रुप ए का पहला चार दिवसीय मैच बिलासपुर तथा कोरबा के मध्य बी एस पी ग्रांउड, सिविक सेंटर भिलाई में खेला गया। जिसमें कोरबा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बिलासपुर ने अपनी पहली पारी में 78.2 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 323 रन बनाये। जिसमें ओम वैष्णव ने 137 रन तथा ऋषभ शर्मा ने 74 रनों का योगदान दिया। कोरबा की ओर से राज्यवर्धन सिंह, अनिरुद्ध बघेल, अनुज शर्मा तथा अनुभव सोनी ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक कोरबा ने अपनी पहली पारी में 9 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 29 रन बना लिये हैं। पहले दिन की समाप्ति तक बिलासपुर ने 294 रनों की बढत बना ली है। ग्रुप ए का दूसरा चार दिवसीय मैच बी.एस.पी. तथा महासमुंद के मध्य आर.डी.सी.ए. ग्राउंड, रायपुर में खेला गया। जिसमें महासमुंद ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बी.एस.पी. ने अपनी पहली पारी में 50.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 115 रन बनाये। बी.एस.पी. की ओर से जसविंदर सिंह ने 47 रन तथा आलोक कुमार ने 21 रनों का योगदान दिया। महासमुंद की ओर से आदित्य सिंह ने 3 विकेट प्राप्त किये। महासमुंद ने अपनी पहली पारी में 37 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 107 रन बना लिये है। महासमुंद की ओर से आदित्य कुमार ने नाबाद 61 रन तथा स्वंय पांडे ने नाबाद 41 रन बनाये। पहले दिन की समाप्ति तक बी एस पी 8 रनों से आगे है। ग्रुप बी का पहला चार दिवसीय मैच भिलाई तथा कांकेर के मध्य कांकेर ग्राउंड में खेला गया। जिसमें कांकेर ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। भिलाई ने अपनी पहली पारी में 45 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 149 रन बना लिये हैं। जिसमें गर्व कुमार सिंह ने नाबाद 80 रन तथा शिवेन्द्र तिवारी ने नाबाद 47 रनों का योगदान दिया। कांकेर की ओर से अखिलेश कोर्रम ने 1 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक भिलाई ने 1 विकेट खोकर 149 रन बना लिये है। ग्रुप बी का दुसरा चार दिवसीय मैच राजनांदगांव तथा प्लेट कंबाइंड के मध्य दल्लीराजहरा में खेला गया। जिसमें प्लेट कंबाइंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। राजनांदगांव ने अपनी पहली पारी में 67.4 ओवरों में 10 विकेटों के नुकसान पर 201 रन बनाये। राजनांदगांव की ओर से वैदिक मधुकर ने नाबाद 104 रनों का योगदान दिया। प्लेट कंबाइंड की ओर से निखिल शर्मा ने 6 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक प्लेट कंबाइंड ने अपनी पहली पारी में 20 ओवरों में 2 विकेट खोकर 44 रन बना लिये हैंपहले दिन की समाप्ति तक राजनांदगांव ने 157 रनों की बढ़त बना ली है।

अब 9 घंटे की नींद को सेहत के लिए माना जा रहा जरूरी

अच्छी सेहत के लिए बढ़ रहा है 'स्लीप डिवोर्स' का चलन, सोशल-मीडिया पर चर्चित हुआ मुद्दा

अच्छी सेहत के लिए नींद कितनी जरूरी है ये हम सभी अक्सर पढ़ते-सुनते रहते हैं। पर क्या हमें रोजाना रात में अच्छी नींद मिल पा रही है?

अध्ययन की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत सहित दुनिया के कई देशों में बड़ी आबादी नींद की समस्याओं से जूझ रही है। स्वस्थ शरीर के लिए रात में कम से कम सात से नौ घंटे अच्छी और निर्बाध नींद जरूरी है। यही कारण है कि अमेरिकी में बड़ी संख्या में लोग अपनी रात की नींद को बेहतर बनाने में मदद के लिए ₹स्लीप डिवोर्स₹ का विकल्प चुन रहे हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन (एएएसएम) के सर्वेक्षण के अनुसार, एक तिहाई से अधिक लोगों का कहना है कि साथी के खर्राटों की आवाज, पंखे की स्पीड, एसी के तापमान को सेट करने जैसी समस्याएं नींद में बाधा डालती हैं, इससे बचने के लिए पति-पत्नी कभी-कभी या लगातार अलग-अलग कमरों में सोते हैं। ये चलन भारत में भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। क्या 'स्लीप डिवोर्स' का चलन पति-पत्नी के आपसी संबंधों के लिए सही है या फिर दीर्घकालिक तौर पर इसके नुकसान हो सकते हैं, आइए स्वास्थ्य विशेषज्ञों से समझते हैं।

'स्लीप डिवोर्स' पर क्या है विशेषज्ञ की राय?

क्या 'स्लीप डिवोर्स' का चलन आपसी रिश्तों के लिए ठीक है, इस बारे में समझने के लिए हमने मनोचिकित्सक डॉ सत्यकांत त्रिवेदी से बातचीत की। डॉ सत्यकांत बताते हैं, नींद की समस्याएं रिश्तों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती हैं। बार-बार स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अच्छी नींद लेने के लिए सुझाव देते आ रहे हैं, ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए जरूरी है। एक रात भी ठीक से नींद न पूरी होने का असर अगले दिन गुस्सा, थकान, चिड़चिड़ेपन के रूप में देखने को मिलता है। अलग सोने की व्यवस्था व्यावहारिक दृष्टिकोण के रूप में उभर रही है। ये किसी भी तरह से रिश्ते के विफल होने का संकेत नहीं है बल्कि नींद की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए दंपति अगर ऐसा फैसला करते हैं तो इसे बेहतर सेहत के लिए अच्छा कदम माना जा सकता है।

पहले जान लीजिए 'स्लीप डिवोर्स' क्या है?

'स्लीप डिवोर्स' जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि ये 'नींद के लिए आपसी अलगाव' की एक शैली है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अच्छी नींद पाने के लिए पति-पत्नी अलग कमरों, अलग बिस्तर पर या फिर अलग-अलग समय पर सोते हैं। साथी के खर्राटे की आवाज नींद को बाधित कर देती है, इसके अलावा एसी के तापमान, पंखे की गति या कुछ और चीजों को लेकर युगल में बहस या मतभेद हो सकती है, इसका असर उनकी नींद को प्रभावित न करे इसलिए कई देशों में ये चलन तेजी से बढ़ रहा है।

नींद की गुणवत्ता में इससे हो सकता है सुधार

डॉ सत्यकांत कहते हैं, युगल अगर अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करते हैं और नींद की गुणवत्ता को प्राथमिकता देने के लिए 'स्लीप डिवोर्स' का फैसला लेते हैं तो इसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं।

इन बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

मनोचिकित्सक कहते हैं, 'स्लीप डिवोर्स' की पहली और सबसे जरूरी शर्त ये है कि इसमें युगल की आपसी सहमति हो, वरना अलग-अलग सोने से भावनात्मक दूरी पैदा हो सकती है, खासकर अगर इससे शारीरिक संबंध प्रभावित होते हैं। इसलिए नींद को प्रभावित करने वाली समस्याओं के बारे में खुलकर बातचीत की जानी चाहिए। इसके अलावा पति-पत्नी के लिए एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने को प्राथमिकता देना भी महत्वपूर्ण है। कई देशों में जहां नींद की गुणवत्ता में कमी देखी जा रही है वहीं पर चिकित्सक कुछ समय के लिए 'स्लीप डिवोर्स' जैसे तरीकों को अपनाने की सलाह देते हैं।

अक्षय तृतीया पर बनने जा रहा गजकेसरी योग, इन राशियों के लिए अपार संपत्ति

अक्षय तृतीया के दिन कुबेर देव और मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस दिन सोना खरीदने का भी बहुत महत्व माना जाता है। ज्योतिष गणना के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया पर गजकेसरी योग बनने वाला है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है। इस साल अक्षय तृतीया 10 मई, दिन शुक्रवार की पड़ रही है। अक्षय तृतीया के दिन कुबेर देव और मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस दिन सोना खरीदने का भी बहुत महत्व माना जाता है। ज्योतिष गणना के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया पर गजकेसरी योग बनने वाला है। ऐसा माना जा रहा है कि लगभग 100 साल बाद अक्षय तृतीया पर गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। ऐसे में इस योग के बनने से कुछ राशियों को विशेष लाभ होने वाला है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि कौन सी हैं वो राशियां।

मिथुन राशि

अक्षय तृतीया पर बनने वाले गजकेसरी योग के कारण मिथुन राशि के जीवन में किसी मित्र का आगमन हो सकता है। धार्मिक कार्य करने पर सुखों का आगमन हो सकता है और साथ ही, धन लाभ के भी योग हैं। अगर नौकरी बदलना चाहते हैं तो अक्षय तृतीया के बाद नौकरी बदल सकते हैं, आपको फायदा होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को अक्षय तृतीया के दिन बनने वाले गजकेसरी योग के कारण कारोबार में बड़ा लाभ होगा। आपको व्यापर में उन्नति प्राप्त होगी। अगर आप नौकरीपेशा हैं तो आपके लिए अक्षय तृतीया के बाद का समय बहुत शुभ रहेगा। आपको नौकरी में लाभ मिलेगा और आपके प्रमोशन के भी योग हैं।

धनु राशि

धनु अरशी के जो जातक नौकरीपेशा हैं उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्हें नौकरी के माध्यम से धन लाभ होने के संकेत हैं। साथ ही, आपको नौकरी स्थल पर अपने से ऊंचें अफसरों का साथ भी मिलेगा। पारिवारिक सुख आपको अक्षय तृतीया के बाद से मिलेगा। आपको आर्थिक, मानसिक, आत्मिक लाभ मिलेंगे।

आटे में मिलाएं बर्फ के टुकड़े, रोटी बनाने का यह तरीका नहीं जानती होंगी आप

गर्मियों में गैस के पास खड़े होकर रोटियां बनाना तो किसी को भी अच्छा नहीं लगता होगा और उस पर रोटियां खराब या कड़क बनें तब तो और भी बुरा। ऐसे में आटे से जुड़ी ये ट्रिक्स जरूर जान लें।

आटा गूंथना वैसे तो आसान है, लेकिन कई लोगों को यह बहुत बोरिंग काम लग सकता है। गर्मियों के समय तो किचन में खड़े रहना ही और मुश्किल लगता है। गर्मियों की एक और समस्या होती है कि आटा अगर आपने गूंथकर रख लिया, तो वह काला पड़ने लगता है या खट्टा हो जाता है। आटा फ्रिज में रखने के बाद भी खट्टा होने लगता है और यह वाकई अच्छा नहीं है। ऐसे में अगर आप कुछ ऐसी ट्रिक्स को आजमाएंगी जिससे फ्रिज में रखे हुए आटे से भी सॉफ्ट रोटी बने, तो आपके लिए अच्छा होगा। आज हम भी आपको कुछ ऐसी ही ट्रिक्स बताने जा रहे हैं, जो शायद आपको पसंद आएंगे।

रोटी का आटा ना पड़े काला उसके लिए क्या करें?

इस एक ट्रिक से ही आटे के काले और खट्टे होने की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। दरअसल, जब भी हम आटा गूंथते हैं तब पानी का तापमान हमेशा ही रूम टेम्परेचर पर रखते हैं। पर इससे आटे में फरमेंटेशन का प्रोसेस जल्दी होने लगता है। ऐसे में आटा थोड़ी देर के लिए भी अगर बाहर रह गया, तो वह काला पड़ने लगेगा। इसे रोकने के लिए आप बर्फ के टुकड़े डालकर पानी को जितना ठंडा हो सके उतना ठंडा करें और फिर उस पानी से आटा गूंथें।

ऐसा करने से आपका आटा फर्मेंटेशन प्रोसेस में नहीं जाएगा। अगर आप तुरंत रोटियां नहीं बनाने वाली हैं।

व्हे प्रोटीन अधिक लेने से होते हैं साइड इफेक्ट, इसलिए ध्यान से करें सेवन

बॉडी बिल्डिंग और फिटनेस की दुनिया में व्हे प्रोटीन ऐसा सप्लीमेंट है, जिसे अधिकतर लोग लेते हैं। इतना ही नहीं इसकी डिमांड भी सबसे अधिक होती है।

दुनिया में हजारों ब्रांड व्हे प्रोटीन बनाते हैं। लेकिन लोग इंडिया में बिकने वाले कुछ बेस्ट व्हे प्रोटीन ब्रांड पर ही विश्वास करते हैं और उनका सेवन करते हैं।

फिटनेस इंडस्ट्री में सबसे अधिक डुप्लीकेसी जिस सप्लीमेंट की है, वो भी व्हे प्रोटीन ही है। इसलिए इसे लेने से पहले व्हे प्रोटीन असली है या नकली, इसकी जांच करना जरूरी है।

व्हे प्रोटीन वेट लॉस और बॉडी बिल्डिंग में मदद करता है। इसी कारण अधिकतर फिटनेस फ्रीक इसका सेवन करते हैं। यह तुरंत अब्जॉर्ब होकर मसल्स रिकवरी करता है।

इसके अलावा भी व्हे प्रोटीन के कई फायदे हैं। जैसे : प्रोटीन का कंप्लीट सोर्स, पचने में आसान होता है। इसे आप शेक में मिक्स करके भी पी सकते हैं। साथ ही यह फास्ट मसल्स रिकवरी में भी मददगार होता है।

एक्सपर्ट के मुताबिक, नॉर्मल पर्सन को 0.8-1 ग्राम / किलो बॉडी वेट प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। वहीं फिटनेस फ्रीक को 1.5-1.8 ग्राम / किलो बॉडी वेट और हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करने वाले लोगों को 2 ग्राम / किलो बॉडी वेट के हिसाब से प्रोटीन लेना चाहिए।

प्रोटीन का अधिकतर हिस्सा प्रोटीन फूड से आना चाहिए। लेकिन कुछ लोग ज्यादा हिस्सा व्हे प्रोटीन से लेने की कोशिश करते हैं। ऐसा करने से प्रोटीन की मात्रा तो पूरी हो सकती है, लेकिन इसके कुछ साइड इफेक्ट होते हैं।

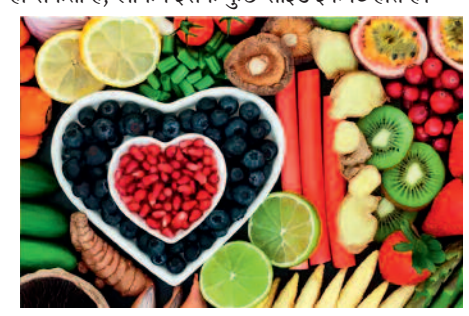

एक्सपर्ट अधिक मात्रा में व्हे प्रोटीन का सेवन करने की सलाह नहीं देते। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको अधिक व्हे प्रोटीन लेने के साइड इफेक्ट के बारे में बताएंगे।

पाचन संबंधी समस्याएं

व्हे प्रोटीन के अधिकतर साइड इफेक्ट डाइजेशन / पाचन संबंधी होते हैं। जो लोग व्हे प्रोटीन का अधिक सेवन करते हैं या जो लोग इसे डाइजेस्ट नहीं कर पाते उन लोगों में सूजन, गैस, पेट में ऐंठन और दस्त जैसे लक्षण आ सकते हैं। ये साइड इफेक्ट लैक्टोज की मात्रा ज्यादा होने से जुड़े होते हैं। व्हे प्रोटीन में लैक्टोज मुख्य कार्ब का कारण करता है। जो लोग लैक्टोज असहिष्णु हैं, उनको इसका सेवन करने से डाइजेशन संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। इसका कारण है कि उनकी बॉडी पर्याप्त लैक्टेज एंजाइम का प्रोडक्शन नहीं करती, जिससे शरीर को लैक्टोज पचाने में परेशानी होती है। रिसर्च के मुताबिक, लैक्टोज असहिष्णुता आम बात है। यह दुनियाभर में 75% लोगों को प्रभावित कर सकती है। यदि आप लैक्टोज असहिष्णु हैं तो व्हे प्रोटीन आइसोलेट का सेवन करें।

असंतुलित न्यूट्रिशन

नेचुरल फॉर्म में प्रोटीन का सेवन सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि वो न्यूट्रिशन से भरपूर होता है। लेकिन जब व्हे प्रोटीन की बात आती है तो इसे संसाधित किया जाता है और विभिन्न केमिकल प्रोसेस से होकर गुजरता है।

बच्चे कैसे रखें खुद को स्वच्छ, इन तरीकों से सिखाएं अभिभावक

माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों में साफ-सफाई की अच्छी आदतें डालें, क्योंकि ये उनकी सेहत और लाइफस्टाइल, दोनों से जुड़ी हैं। बच्चे कुछ बड़े क्या होते हैं कि खुद से नहाने की जिद करने लगते हैं। आप जब उन्हें नहलाती हैं तो उनकी साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखती हैं।

हाथों की सफाई

सेहतमंद रहने के लिए हाथों की सफाई बहुत जरूरी है। हमारे हाथों पर कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस होते हैं। ये बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर के भीतर सबसे आसानी से हाथों से ही पहुंचते हैं। इसलिए बच्चों को कम उम्र से ही अपने हाथों को साफ रखना जरूर सिखाएं।

दांतों पर ध्यान : बच्चों के दांत आने के बाद आप उन्हें सही तरीके से उनकी सफाई करना सिखाएं। इसके अलावा कुछ भी खाने के बाद कुल्ला करना, सोने से पहले ब्रश करना और कोई भी ऐसी-वैसी चीज मुंह में लेने से मना करें। दांतों को साफ रखने की आदत उन्हें कैविटी से बचाएगी। साथ ही बच्चों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की आदत डालें।

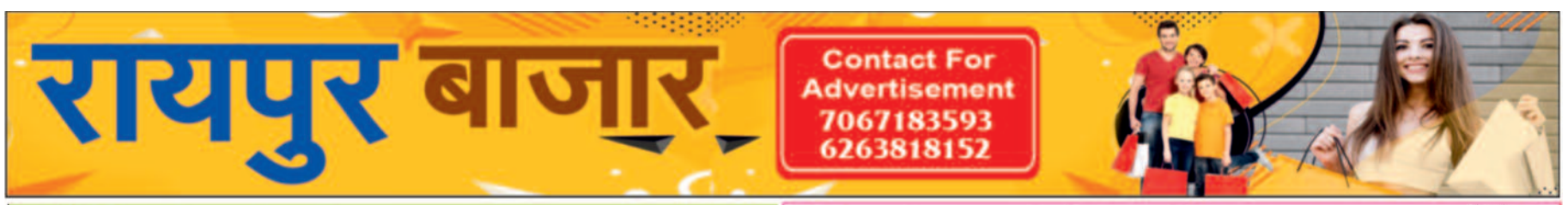

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अब नहीं बनेगी 'वंडर वूमन' की तीसरी कड़ी

'वंडर वुमन' की फ्रेंचाइजी खत्म हो गई है। इस खबर को सुनकर दुनिया भर में 'वंडर वुमन' के फैंस में काफी निराशा देखने को मिल रही है। वहीं इस

खबर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए क्रिस पाइन कहते हैं, 'मैं सच में हैरान हूं कि आखिर ऐसा क्यों किया गया है। 'वंडर वुमन' के चाहने वालों को यह खबर निराश कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पैटी जेनकिंस की फिल्म 'वंडर वुमन' की फ्रेंचाइजी को समाप्त किया जा रहा है। फिल्म 'वंडर वुमन' फ्रेंचाइजी के करोड़ों दर्शक दीवाने हैं। पहली बार यह फिल्म 1984 में दर्शकों के सामने आई थी और तब से लेकर अबतक इस फ्रेंचाइजी की सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही हैं। वहीं अभिनेता क्रिस पाइन ने इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। आइए आपको बताते हैं उन्होंने क्या कहा है। 'वंडर वुमन' की फ्रेंचाइजी खत्म हो गई है। इस खबर को सुनकर दुनिया भर में 'वंडर वुमन' के फैंस में काफी निराशा देखने को मिल रही है। वहीं इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए क्रिस पाइन कहते हैं, 'मैं सच में हैरान हूं कि आखिर ऐसा क्यों किया गया है। आखिर पैटी जेनकिंस की 'वंडर वुमन' की फ्रेंचाइजी को कैसे खत्म किया जा सकता है'। क्रिस पाइन अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 'मैं इस बात पर जितना ध्यान देकर समझने की कोशिश कर रहा हूं उतना ही मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूं। ऐसा भी नहीं है कि 'वंडर वुमन' की फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर रही हों। इस फिल्म की वजह से वार्नर ब्रदर्स को फायदा ही हुआ था। 'वंडर वुमन' ने दुनिया भर में लगभग 1 बिलियन डॉलर की कमाई की थी। आखिर उन्होंने इतना बड़ा फैसला क्या सोच कर लिया यह बात मेरे समझ से परे है'। पैटी जेनकिंस की फिल्म 'वंडर वुमन' फ्रेंचाइजी हॉलीवुड की बेहतरीन फ्रेंचाइजी में से एक मानी है। क्रिस पाइन कहते हैं, 'वंडर वुमन' एक अविश्वसनीय किरदार है। दुनिया भर में करोड़ों दर्शक इसके दीवाने हैं। वहीं पैटी भी बहुत ही रचनात्मक निर्देशक हैं। पता नहीं क्यों इसे आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है'। आपको बताते चलें कि पहली 'वंडर वुमन' फिल्म 1984 में रिलीज की गई थी।

टॉलीवुड

'स्वयंभू' पर पानी की तरह पैसा बहा रहे निर्माता, एक्शन सीक्वेंस के लिए खर्च होंगे करोड़

टॉलीवुड अभिनेता निखिल सिद्धार्थ अपनी आगामी फिल्म को लेकर लगातार चर्चा में हैं। वे जल्द ही पैन इंडिया फिल्म स्वयंभू में नजर आने वाले हैं। फैंस

को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच भरत कृष्णामाचारी के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। ताजा अपडेट के मुताबिक मौजूदा समय में फिल्म की टीम एक प्रमुख एक्शन सीक्वेंस का फिल्मांकन कर रही है, जिसमें प्रमुख कलाकार शामिल हैं। इन दृश्यों में निखिल कुछ हैरतअंगेज स्टंट करते भी नजर आएंगे, जिसे वियतनामी लड़ाकों समेत 700 कलाकारों के साथ 12 दिनों तक शूट किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर सीक्वेंस को दो बड़े सेट पर शूट किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इस सीक्वेंस की शूटिंग में निर्माता पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसे शूट करने में मेकर्स के आठ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन एक्शन दृश्यों में आने वाली लागत की वजह से यह फिल्म चर्चा के केंद्र में आ गई है। इस पीरियड एक्शन-एडवेंचर ड्रामा में संयुक्ता और नाभा नटेश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण भुवन और श्रीकर कर रहे हैं। वहीं, इसे टैगोर मधु द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म के छायांकन की कमान मनोज परमहंस के हाथों में है। वहीं, इसका संगीत रवि बसरुर ने तैयार किया है। इसके संवाद वासुदेव मुनेप्पगारी ने लिखे हैं। जबकि एम प्रभाकरन ने फिल्म का सेट डिजाइन किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो निखिल को आखिरी बार पर्दे पर स्पाई नाम की फिल्म में देखा गया था। साल 2023 में आई इस फिल्म को दर्शकों की मिली जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

भोजपुरी

आनंद चतुर्वेदी और काजल राघवानी की 'मैं कौन हूं' की शूटिंग हुई पूरी

कई सारी भोजपुरी फिल्में एक के बाद एक रिलीज हो रही हैं। इसी बीच, काजल राघवानी और आनंद चतुर्वेदी की लीड रोल वाली फिल्म

'मैं कौन हूं' की शूटिंग भी पूरी हो गई है और फिल्म जल्द ही रिलीज के लिए तैयार भी है। बस इसका आखिरी फेज यानी प्रोडक्शन का काम चल रहा है। मैं कौन हूं! यदि आप यह सवाल किसी चौक चौराहे पर खड़ा होकर किसी व्यक्ति से पूछते हैं तो लोग आपको पागल ही समझेंगे, लेकिन इसी सवाल को यदि आप आध्यात्मिक तरीके से लेते हैं और खुद से ही यह सवाल पूछते हैं तो यह मैं कौन हूं आपको आत्मसाक्षात्कार की ओर एक कदम आगे तक ले जाता है। अब इस फ़िल्म 'मैं कौन हूं' के लेखक निर्देशक मृत्युंजय श्रीवास्तव की सोच किस तरफ इसको लेकर जाती है यह तो देखने वाली बात है लेकिन हाल फिलहाल इस फ़िल्म की शूटिंग उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर, विंध्याचल और बस्ती में पूरी हो चुकी है। फ़िल्म में भोजपुरी फ़िल्म जगत के जाने माने चेहरों ने अपने अभिनय से चार चांद लगाया है । और यह फ़िल्म इन दिनों पोस्ट प्रोडक्शन में मुम्बई में है।

फिक्र ग्लोबल वार्मिंग की

दक्षिण में ग्रेट डिवाइडिंग रेंज और लॉडन व गॉलबर्न नदी घाटियों में पांच आदिवासी देशों का एक गठबंधन कुलिन नाम का देश है। यहां ग्लोबल वार्मिंग यानि जलवायु परिवर्तन को लेकर अभूतपूर्व जागरुकता है। यहां की ताउंगुरुंग और जारा कलाकार कैसी लीथम ने यांगगुर्डी लेबल संग्रह डिजाइन करते समय जलवायु परिवर्तन को सबसे आगे रखा था। लीथम का मानना है कि 'पहनने योग्य कला और अपने पूर्वजों की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका' यह फैशन है।

नहीं आती है सलवार-सूट की सही फिटिंग? ये हो सकते हैं कारण

किसी भी लुक को खास बनाने के लिए कपड़ों की सही फिटिंग आना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आप फैब्रिक का खास ख्याल रखें।

सलवार-सूट को हर मौके के लिए कई तरह से स्टाइल किया जाता है। इसका डिजाइन भी ओकेजन के हिसाब से ही बनवाया जाता है। तेजी से बदलते दौर में आपको रेडीमेड सलवार-सूट की काफी बड़ी वेरायटी देखने को मिल जाएगी, लेकिन परफेक्ट फिटिंग पाने के लिए हम सलवा-सूट को खुद सिलवाना पसंद करते हैं। कई बार कुछ गलतियों के कारण सूट की सही फिटिंग नहीं आ पाती है और हमारा पूरा लुक बिगड़ जाता है। तो आइये आज हम बताने वाले हैं किन कारणों से सलवार-सूट में सही फिटिंग नहीं आ पाती है और कैसे इन्हें सुधारा जा सकता है।

गिरते कंधों को सही फिटिंग कैसे दें?

अक्सर सूट के कंधे गिरने लगते हैं, जिससे पूरे लुक की फिटिंग खराब नजर आने लगती है। इसका मुख्या कारण ज्यादा बड़े और चौड़े नेक डिजाइन भी हो सकता है। इस वजह से ब्रा स्ट्रैप भी बाहर नजर आने लगते हैं। इस तरह की परेशानी से बचने के लिए आप तिच बटन लगवा सकती हैं और ब्रा के स्ट्रैप में सूट को पिन अप कर सकती हैं। इसके अलावा आप सूट को सही फिटिंग और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बैक की नेकलाइन में डोरी भी लगवा सकती हैं।

सलवार-सूट के लिए फैब्रिक कैसे चुनें?

मार्केट में आपको अनेक तरह के कपड़ों की वेरायटी देखने को मिल जाएगी। अब आपको अपनी बॉडी शेप और जरूरत के अनुसार ही फैब्रिक को चुनना है। इसके लिए आप कॉटन ता सिल्क के कपड़े को चुन सकती हैं। ध्यान रहे कि आप खिंचाव वाले फैब्रिक को न चुनें। सिल्क में आप इस मौसम के हिसाब से सॉफ्ट क्रेप को चुन सकती हैं।

ये आउटफिट्स आपको देंगे परफेक्ट समर लुक, ट्राई करके जरुर देखें

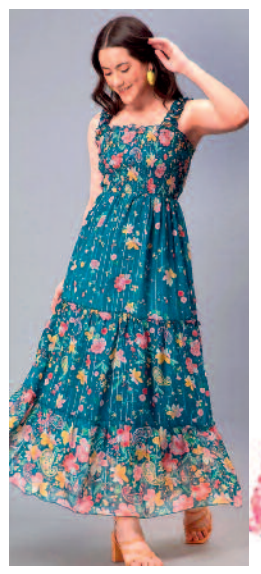

अगर आप कहीं आउटिंग का प्लान कर रहे हैं तो आप इस आर्टिकल की मदद से एक परफेक्ट आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं।

समर सीजन में अक्सर महिलाएं कहीं न कहीं घूमने का प्लान बना लेती हैं लेकिन आउटिंग के दौरान महिलाएं एक ऐसे आउटफिट चाहती हैं जिसमें वो खूबसूरत नजर आए । वहीं इस आर्टिकल में हम आपको कुछ मैक्सी ड्रेस दिखाने जा रहे हैं जिन्हें आप आउटिंग के दौरन वियर कर सकती हैं । इस तरह के आउटफिट्स में जहां आप खूबसूरत लगेंगी तो वहीं इन ड्रेस को वियर करने के बाद आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

फ्लोरल मैक्सी ड्रेस

इन दिनों ये फ्लोरल मैक्सी ड्रेस काफी ट्रेंड में हैं और इस तरह की ड्रेस को आप आउटिंग के दौरान वियर कर सकती हैं। ब्लैक कलर की ये मैक्सी ड्रेस पॉलिस्टर में है और इस ड्रेस में आप काफी खूबसूरत भी नजर आएंगी । इस ड्रेस को ऑनलाइन या फिर बाजार से खरीद सकती हैं । वहीं ये ड्रेस आपको आसानी से 500 से 700 के बीच मिल जाएंगी।

जॉर्जेट मैक्सी ड्रेस

इस तरह की जॉर्जेट डिजिटल प्रिंटेड मैक्सी ड्रेस में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। ये मैक्सी ड्रेस जॉर्जेट में है साथ ही इसमें फ्लावर प्रिंट है। वहीं ये ड्रेस इस हाफ स्लीव्स में आती है और इस वजह से ड्रेस समर सीजन में आउटिंग के दौरान वियर करने के लिए

गोल्डन ब्लाउज की बैक नेक लाइन डिजाइंस देखें

अपनी साड़ी को खूबसूरत अंदाज देना चाहती हैं तो गोल्डन ब्लाउज की बैक नेकलाइन डिजाइन देखें और अपने लिए ऐसे ही ब्लाउज रीक्रिएट करवाएं।

किसी अवसर पर जाने से पहले हम सभी के मन में इस बात को लेकर बहुत मंथन चलता रहता है कि 'हम आखिर पहने क्या?' कई बार तो हर अवसर के लिए हम शॉपिंग पर भी जाते हैं, मगर साड़ी लवर महिलाओं को ज्यादा दिक्कत नही आती है। वे हर अवसर के लिए साड़ी तैयार रखती हैं। कई बार तो पुरानी साड़ी को नए ब्लाउज के साथ कैरी करके उसे नया लुक भी दे डालती हैं। अगर आप भी ऐसा करती हैं, तो आपकी वॉर्डरोब में 2 से 3 अलग-अलग डिजाइन वाले गोल्डन ब्लाउज जरूर होने चाहिए।

दरअसल, गोल्डन ब्लाउज किसी भी साड़ी के साथ मैच कर जाते हैं और आप बाजार से अपनी पसंद का फैब्रिक लेकर उन्हें अपनी इच्छा अनुसार स्टिच करा सकती हैं। आज हम आपको गोल्डन ब्लाउज की कुछ बैक नेक लाइन डिजाइंस दिखाएंगे, जिन्हें आप भी रीक्रिएट करा सकती हैं।

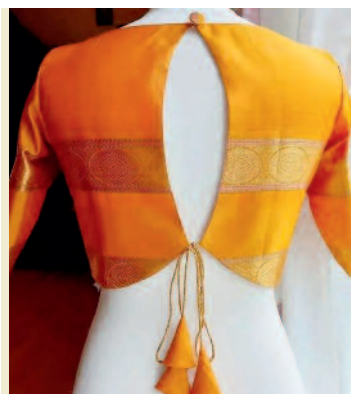

कटआउट ब्लाउज बैक नेक लाइन

अगर आप कंफर्टेबल महसूस करती हो तो ब्लाउज की बैक पर एक कटआउट डिजाइन बनवा सकती हैं। यह कटआउट जितना डीप होगा उतना अच्छा होगा। आप इस कट आउट को ओवल, चौकोर, त्रिकोण या फिर गोल आकार में बनवा सकती हैं।

इस तरह के ब्लाउज पैडेड हों तो ज्यादा अच्छा रहता है क्योंकि डीप कट होने के कारण ब्रा पहनने पर उसकी बेल्ट दिख सकती है।

कौन सा आईलाइनर लुक रहेगा बेस्ट?

आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप भी आइलाइनर लगाते वक्त लेख में बताए गए तरीकों को अपना सकती हैं। किस तरह की आंखों के शेप में कैसा आइलाइनर लगाना चाहिए, यह लेख में जानें।

किसी का चेहरा एक सा नहीं होता है और चेहरे को युनिक बनाते हैं आंख, नाक, होंठ और आइब्रो के शेप। हमारे फीचर्स ही हमारा लुक तय करते हैं और इन्हें संवारने के लिए अब हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं। हम ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से ही अपने फेशियल फीचर्स को सुधार सकते हैं। आंखों के भी अलग-अलग शेप होते हैं और इन्हें और भी ज्यादा खूबसूरत बनने के लिए आप आइलाइनर का सहारा ले सकती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि किस तरह की आंखों की शेप में कैसा आइलाइनर लुक अच्छा लगता है। अगर आपको भी आइलाइनर लगाने का शौक है तो आपको भी यह लेख अंत तक जरूर पढ़ना चाहिए।

कितने प्रकार के होते हैं आंखों के शेप

बादाम के शेप की आंखें,राउंडेड आई शेप,क्लोज सेट आई शेप, मोनोलिड आई शेप

बादाम के शेप की आंखें

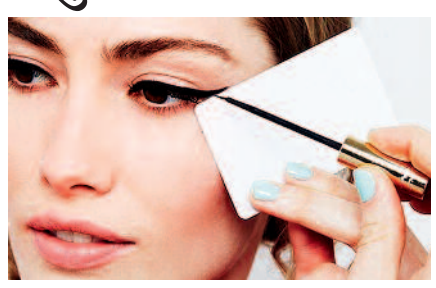

अगर आपकी आंखों का आकार बादाम के शेप जैसा है तो आपको बता दें कि इस आई शेप को सबसे खूबसूरत माना जाता है। आप इस तरह की आंखों में आइलाइनर से कई तरह के प्रयोग कर सकती हैं। इन आंखों को बड़ा दिखाने की जरूरत नहीं होती है, मगर इनकी खूबसूरती में चार-चांद लगाने हैं तो आप आइलाइनर से आउटर कॉर्नर पर विंग निकाल सकती हैं।

मोनोलिड आई शेप

मोनोलिड आई शेप बहुत ही छोटा होता है और आमतौर पर इस तरह के आई शेप को संवारना बहुत कठिन होता है। आपको कई ऐशियन देशों के लोगों के आईशेप इस तरह के मिल जाएंगे।

कार्नर न्यूज

फैशन के दौर में स्टाइलिश रहना जरूरी

क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ व्यक्ति अपने पहने हुए कपड़ों के कारण काफी स्टाइलिश क्यों दिखते है? इसका जवाब है क्योंकि वह उनके महत्व को भलीभांति जानते है। जब आप अपने कपड़ों के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं तो आप भीड़ से कुछ अलग नजर आते हैं। अगर आप भी भीड़ से जुदा दिखना चाहते हैं तो शर्ट के कॉलर से लेकर जूते तक ये चार चीजें अपनाएं ताकि लोगों का ध्यान आपके ऊपर भी जाए।

ऐसे सीक्रेट, जिन्हें केवल स्टाइलिश पुरुष ही जानते हैं

उस कॉलर का चुनाव करें, जो आपके चेहरे पर फिट हो

अगर आपका चेहरा गोल है तो आप पतले कॉलर की शर्ट पहनें, जिससे आपके चेहरे को लंबाई मिलेगी। अगर आपका चेहरा सामान्य है तो सेमी-स्प्रेड कॉलर वाली शर्ट पहनें, जिसपर टाई खूब जंचेगी। अगर आपका चेहरा पतला है तो फैले हुए कॉलर वाली शर्ट पहनें, जिससे आपका जॉलाइन बड़ा दिखाई देगा। शर्ट के शोल्डर्स ठीक उसी जगह आने चाहिए जहां आपके शोल्डर्स हैं, जिससे शर्ट की रूपरेखा निखर कर सामने आएगी। शर्ट की बाजु आपकी कलाई से ठीक ऊपर खत्म होनी चाहिए। अगर आप चाहते हैं तो अपनी शर्ट के कफ को एक चौथाई इंच तक छोड़ सकते हैं। अपने टेलर से कहें कि आपके जैकेट को ज्यादा नीची न करें क्योंकि ज्यादा लंबी जैकेट स्टाइल खराब करती है।

अपनी लंबाई के हिसाब से कपड़े पहनें

अगर आपकी लंबाई कम है तो एक बटन वाला सूट पहनें। एक बटन वाले सूट में आपकी ज्यादातर शर्ट दिखाई देगी, जिससे आप लंबे लगेंगे। अगर आपकी लंबाई सामान्य है तो बटन वाला सूट पहनें। हकीकत है कोई भी व्यक्ति दो बटन वाले सूट में बुरा नहीं दिखाई देता। अगर आपकी लंबाई सामान्य है या थोड़ कम है तो आप बेझिझक इस प्रकार का सूट पहन सकते हैं। अगर आपकी लंबाई ज्यादा है तो तीन बटन वाले सूट का इस्तेमाल करें। अगर आपकी लंबाई ज्यादा है तो आप शर्ट का एक बटन खोलकर सूट पहन सकते हैं, जिससे आप भीड़ से थोड़ा अलग दिखाई देंगे। सबसे पहले अपने जूतों को एक साफ कपड़े से पोंछें। चमड़े के जूतों को गीला छोड़ना उन्हें खराब कर सकता है। जूतों में कागड़ को मोड़कर कर रखें और जब कागज गीला हो जाए तो उसे बदलें। ऐसा तब तक करें जब तक जूता पूरी तरह से सूख न जाए।